अवध की आवाज

राष्ट्रीय हिन्दी दैनिक समाचार पत्र राजधानी लखनऊ उत्तर प्रदेश से प्रकाशित

www.avadhkaawaz.com

वर्ष–10 अंक – 180 R.N.I.- UPHIN/2012/45127 लखनऊ गुरुवार 30 सितम्बर 2021 पृष्ठ – 8 मूल्य–3 रूपया

संक्षिप्त समाचार

अभियोगों की विवेचना के विधिक निस्तारण के सम्बन्ध में दिये गये दिशा–निर्देश

अवध की आवाज

लखनऊ। मुकुल गोयल, पुलिस महानिदेशक, उ0प्र0 द्वारा समस्त जोनल अपर पुलिस महा निदेशक, पुलिस आयुक्त लखनऊ, गौतम बुद्धनगर, कानपुर नगर, वाराणसी, परिक्षेत्रीय पुलिस महा निरीक्षकपुलिस उप महानिरीक्षक, वरिष्ठ पुलिस अधीक्षक/पुलिस अधीक्षक, प्रभारी जनपद उ0प्र0 को महिलाओंध बालिकाओं (च्व्ब्ै) से सम्बन्धित अभियोगों की गुणवत्तापरक विवेचना, वैज्ञानिक विधियों का समावेश एवं मा0 न्यायालय में प्रभावी पैरवी के सम्बन्ध में परिपत्र के माध्यम से समय–समय पर दिये गये निर्देशों का अनुपालन कराते हुए उक्त के क्रम में पुनः दिशा निर्देश दिये गये।

175 लोकसेवकों एवं 259 गैर सरकारी अभियुक्तों के विरुद्ध हुई कार्यवाही

रिकार्ड 244 अभियुक्तों के अभियोजन की मंजूरी

अवध की आवाज

लखनऊ। उत्तर प्रदेश के मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ जी के निर्देश पर जीरो टालरेन्स की नीति के तहत अपराधियों के विरूद्ध की जा रही कड़ी कार्यवाही के अन्तर्गत आर्थिक अपराध करने वाले भगोड़े अपराधियों के विरूद्ध अभियान चलाकर उनकी गिरफ्तारी किये जाने के निर्देश दिये गये हैं।

अपर मुख्य सचिव, गृह श्री अवनीश कुमार अवस्थी की अध्यक्षता में गत् दिवस लोक भवन में आर्थिक अपराध शाखा के अधिकारियों के साथ एक उच्च स्तरीय बैठक में इस इकाई द्वारा वर्तमान सरकार के कार्यकाल में हुई कार्यवाही की गहन समीक्षा की गई।

आर्थिक अपराध अनुसंधान संगठन का कार्य देख रहे पुलिस महानिदेशक श्री आर0के विश्वकर्मा ने बताया कि इस संगठन की कार्यणाली को और अधिक चुस्त दुरूस्त व प्रभावी बनाने के प्रयासों के सार्थक परिणाम सामने आये है। वर्तमान सरकार के कार्यकाल में वर्ष 2017 से 31 अगस्त 2021 तक आर्थिक अपराध शाखा द्वारा 669 विवेचनाओं का निस्तारण किया गया।

उल्लेखनीय है कि ई0 ओ0 डब्लू0 के इतिहास में पहली बार वर्ष 2018 में जाँचधविवेचनाओं के निस्तारण की संख्या सौ से ऊपर पहुँची। वर्ष 2019 में 239 जाँचध विवेचनाओं का निस्तारण किया गया जो कि ई.ओ.डब्लू. के इतिहास में एक वर्ष में सर्वाधिक निस्तारित प्रकरणों की संख्या है।

वर्तमान सरकार के कार्यकाल में रिकार्ड 244 अभियुक्तों के विरूद्ध विशेष प्रयास कर अभियोजन स्वीकृति प्राप्त की गयी। साथ ही 16 अभियुक्तों के विरूद्ध लुकआॅउट नोटिस जारी किये गये जिसके आधार पर 3 अभियुक्तो को विभिन्न एयर पोर्ट पर रोक कर उनके विरूद्ध वैधानिक कार्यवाही की गई। बहुचर्चित बाइक बोट घोटाला में एक अभियुक्त के विरूद्ध ई0 ओ डब्लू0 द्वारा सी0 बी0 आई0 से समन्वय स्थापित कर रेड कार्नर नोटिस जारी कराया गया, जो इस संगठन के इतिहास में पहली बार हुआ है।

मेसर्स बुश फूड्स प्रा.लि. प्रकरण के निदेशको द्वारा कूट रचित तरीके से 1.76 करोड़ की धान खरीद से सम्बंधित मुकदमें में दो अभियुक्तों के विरूद्ध यूनाइटेड किंगडम से प्रत्यर्पण की कार्यवाही करायी गयी व अभियुक्तों को लंदन में गिरफ्तार कराया गया, जिनको भारत वापस लाने हेतु यूनाइटेड किंगडम के न्यायालय में विचारण प्रचलित है। आर्थिक अपराध से जुड़े भ्रष्टाचार के संगीन मामलों एवं गंभीर प्रशासकीय व वित्तीय अनियमितताओं संबंधी 34 जांच/विवेचना पूर्ण करके दोषी अधिकारियों व कर्मचारियों के विरुद्ध वैधानिक कार्यवाही शुरू की गयी। विभिन्न शासकीय विभागोंध्सरकारी संस्थाओंधनिजी संस्था के कुल–434 अभियुक्तों (लोकसेवक– 175 गैर सरकारी– 259) के विरुद्ध कठोर वैधानिक कार्यवाही करते हुये 75 अभियुक्तों की गिरफ्तारी की गयी। 175 अधिकारियों/कर्मचारियों को विभिन्न जांच/विवेचना में भ्रष्टाचार का दोषी पाया गया।ई.ओ.डब्लू. में सेक्टरवार थानो के सृजन की कार्यवाही चल रही है। इस कड़ी में 4 सेक्टरों क्रमशः लखनऊ, कानपुर, मेरठ एवं वाराणसी को थाने के रूप में अधिसूचित किया गया। फलस्वरूप अब ई.ओ.डब्लू के थानो में अभियोग दर्ज किये जा रहे है।

मा0 मुख्यमंत्री ने किया सीतापुर में 484.41 करोड़ रुपए लागत की कुल 167 परियोजनाओं का लोकार्पण एवं शिलान्यास

जनपद के विभिन्न विभागों के लाभार्थी परक योजनाओं से लाभान्वित लाभार्थियों को प्रमाण पत्र देकर किया सम्मानित

सीतापुर (सू0वि0) मा0 मुख्यमंत्री उत्तर प्रदेश सरकार श्री योगी आदित्यनाथ जी ने बुधवार को गांधी महाविद्यालय सिधौली में आयोजित कार्यक्रम के दौरान रू0 484.41 करोड़ की कुल 167 परियोजनाओं का लोकार्पण/शिलान्यास किया। मा0 मुख्यमंत्री जी ने 3.13 करोड़ की लागत से निर्मित एम0 एस0 डी0 पी0 योजना के अन्तर्गत विकास खण्ड महमूदाबाद के ग्राम लैलखुर्द में राजकीय इण्टर कालेज का लोकार्पण किया। उन्होंने पर्यटन को बढ़ावा देने के उद्देश्य से जनपद सीतापुर के नैमिषारण्य स्थित देवदेवेश्वर एवं कोरौना स्थित द्वारिकाधीश मंदिरों के पर्यटन विकास कार्यों का लोकार्पण किया जिसकी लागत 4.36 करोड़ रूपये हैं। इसके साथ ही माध्यमिक शिक्षा विभाग के राजकीय हाईस्कूल विशुनपुर, राजकीय हाईस्कूल कुचलई, राजकीय हाईस्कूल जुवापुरवा, राजकीय हाईस्कूल सरौरा, राजकीय हाईस्कूल रघौटा सिरकिडा, राजकीय हाईस्कूल सलारपुर दारापुर, राजकीय हाईस्कूल लालपुर, राजकीय हाईस्कूल पचदेवरा का भी लोकार्पण किया। इसमें प्रत्येक की निर्माण लागत 70 लाख रूपये है। 19 लाख रूपये की लागत से सामुदायिक स्वास्थ्य केन्द्र महमूदाबाद में आक्सीजन प्लांट के निर्माण कार्य, 23 लाख रूपये की लागत से सामुदायिक स्वास्थ्य केन्द्र खैराबाद में आक्सीजन प्लांट का निर्माण, 1 करोड़ 57 लाख रूपये प्राथमिक स्वास्थ्य केन्द्र पोखराकलां का निर्माण, 1 करोड़ 79 लाख रूपये की लागत से प्राथमिक स्वास्थ्य केन्द्र भुड़कुड़ा के निर्माण कार्य का लोकार्पण किया। बाढ़ से राहत हेतु सिंचाई विभाग की 03 परियोजनाओं का भी मा0 मुख्यमंत्री जी ने लोकार्पण किया, जिसमें 04 करोड़ 85 लाख रूपये की लागत से तहसील लहरपुर के अन्तर्गत शारदा नदी के दायें किनारे पर स्थित ग्राम लखनीपुर के डाउनस्ट्रीम, भानपुर मल्लापुर, काजीबेहड़ व अन्य की शारदा नदी के कटान से सुरक्षा हेतु स्टड निर्माण, 04 करोड़ 73 लाख रूपये की लागत से तहसील लहरपुर के अन्तर्गत शारदा नदी के दायें किनारे पर स्थित ग्राम कोल्हूपुरवा, बम्बैहला, गलबापुर, मुगलापुर व अन्य की शारदा नदी के कटान से सुरक्षा हेतु स्डट निर्माण, 06 करोड़ 30 लाख रूपये की लागत से तहसील लहरपुर के अन्तर्गत शारदा नदी के दायें किनारे पर स्थित ग्राम रतौली, बम्बैहला, गलबापुर, मुगलापुर व अन्य की शारदा नदी के कटान से सुरक्षा हेतु स्टड निर्माण कार्य शामिल हैं। इस प्रकार उन्होंने कुल 17 परियोजनाओं का लोकार्पण किया। मा0 मुख्यमंत्री जी ने 150 योजनाओं का शिलान्यास भी किया। इस अवसर पर मा0 मुख्यमंत्री जी द्वारा विभिन्न विभागों के लाभार्थी परक योजनाओं से लाभान्वित लाभार्थियों को प्रमाण पत्र देकर सम्मानित किया गया। शेष पेज 3 पर

सोशल आडिट बैठक में मजदूरों ने समस्याओ को लेकर उठाई आवाज

सचिव के मौजूद न होने पर ग्रामीणों ने जताई नाराजगी

अवध की आवाज

कदौरा/जालौन ।ग्राम सभा सोशल आडिट को लेकर हुई खुली बैठक में मजदूर सहित ग्रामीणों द्वारा अपनी समस्याओ को लेकर अवगत कराया गया वही बैठक में सचिव के न आने पर नाराजगी जताई गयी। ज्ञातव्य हो कि विकास खण्ड कदौरा क्षेत्र ग्राम पंचायत कुआॅखेड़ा में बुधवार को शोषल आडिट को लेकर खुली बैठक में मजदूरों द्वारा अपनी समस्याये बताकर आवाज उठाई गयी जिसमे मजदूर लाखन पुत्र जनक सिंह द्वारा आरोप लगाया कि उसने ग्राम में नरेगा के तहत बंधी निर्माण में 52 दिन मजदूरी कार्य किया था लेकिन उसकी मजदूरी 22 दिन ही चढ़ाई गई है वही बृजेन्द्र पुत्र हर प्रसाद द्वारा आरोप लगाया कि उनके दरवाजे में हैण्डपम्प रीबोर करवाया गया था जिसमे मशीन वाले को डीजल के रुपये उझसे नगद दिलाये थे जो रुपये बार बार मांगने के बाद भी सचिब द्वारा नही दिए जा रहे है वही मजदूर रामप्रकाश पुत्र रामदीन द्वारा कहा गया कि उसे ग्राम गौशाला में सचिब द्वारा लगाया गया था जिसने दो माह गौशाला में भूसा चारा कर पशुओं को चराया था लेकिन उसकी मजदूरी नही दी जा रही है वही दीना ने कहा कि उसका आवास बने एक माह हो गया है लेकिन आवास की मजदूरी उसे नही मिली है वही बेवा महिला रजनी द्वारा कहा गया कि वो बेहद गरीब है उसे अभी तक आवास योजना का लाभ नही मिला बैठक में सचिब जीतेन्द्र कुमार के मौजूद न होने पर ग्रामीणों द्वारा नाराजगी जताई गयी।मौके पर आडिट टीम में हरिनारायण बीआरपी मान सिंह वीरेंद्र भूपेश देवेन्द्र व प्रधान सुशील कुमार रामावतार विनीता रामु शुक्ला रजन पाल बृजेन्द्र लखन सहित अन्य ग्रामीण मौजूद रहे।

नामान्तरण शिविर 16 प्रकरण निस्तारित

उपाध्यक्ष ने किया हेल्प लाइन सेंटर का निरीक्षण

अवैध निर्माण सील किया गया

अवध की आवाज

लखनऊ। लखनऊ विकास प्राधिकरण के उपाध्यक्ष अक्षय त्रिपाठी द्वारा आवंटियों की सुविधा के लिए आज से लगाये गये 7 दिवसीय विशेष सम्पत्ति नामान्तरण शिविर के पहले दिन 16 आवंटियों के पक्ष में सम्पत्तियों का नामान्तरण किया गया। उपाध्यक्ष ने शिविर का निरीक्षण करके अधिकारियों को निर्देशित किया कि प्रतिदिन 150 ऐसे आवंटियों को मैसेज भेजा जाये, जिन्होंने नामान्तरण हेतु आवेदन किया हुआ है। शिविर के पहले दिन प्राधिकरण के सचिव पवन कुमार गंगवार व अपर सचिव ज्ञानेन्द्र वर्मा समेत अन्य सम्बन्धित अधिकारियों ने स्वयं मौके पर उपस्थित रहकर आवंटियों की व्यक्तिगत सुनवाई की। उनके द्वारा शिविर में नामान्तरण के सम्बन्ध में जानकारी प्राप्त करने वाले आवंटियों को औपचारिकताओं के विषय में विस्तृत जानकारी दी गई। नोडल अधिकारी राजीव कुमार ने बताया कि आज जानकीपुरम विस्तार योजना के 6, गोमतीनगर विस्तार योजना के 4, अलीगंज योजना के 4 तथा कानपुर रोड योजना के 2 आवंटियों के पक्ष में नामान्तरण स्वीकृत किये गये। शिविर में विशेष कार्याधिकारी डी.के. सिंह, नायब तहसीलदार स्निग्धा चतुर्वेदी सहित अन्य सम्बन्धित व्यक्ति उपस्थित रहे।

लखनऊ विकास प्राधिकरण के उपाध्यक्ष अक्षय त्रिपाठी द्वारा आज व्यावसायिक सम्पत्तियों की नीलामी एवं अन्य समस्याओं के निराकरण के लिए बनाये गये हेल्प लाइन सेंटर का भी निरीक्षण किया गया। उन्होंने हेल्प लाइन सेंटर से स्वयं भी आवंटी से वार्ता की। उन्होंने पटल पर उपस्थित कर्मचारियों से शिष्टाचार के साथ बात करने तथा फोन करने वाले व्यक्तियों के नाम व मोबाइल नम्बर रजिस्टर पर दर्ज करने के निर्देश दिये।

लखनऊ विकास प्राधिकरण के उपाध्यक्ष अक्षय त्रिपाठी द्वारा लखनऊ शहर में अवैध निर्माणों के खिलाफ प्रभावी कार्यवाही जारी रखने के निर्देशों के क्रम में आज प्रवर्तन, जोन–6 के अधिशासी अभियंता कमल जीत सिंह ने बताया कि थाना–अमीनाबाद के अन्तर्गत शहजादे व अन्य द्वारा भूखण्ड संख्या 14/18, जंगलीगंज, अमीनाबाद पार्क, लखनऊ पर बिना मानचित्र स्वीकृत कराये लगभग 1200 वर्गफिट के क्षेत्रफल में अनाधिकृत रूप से बेसमेण्ट तथा भूतल पर निर्माण कार्य किये जाने पर विहित प्राधिकारी द्वारा उसे सील किये जाने के आदेश दिये गये थे। विहित प्राधिकारी के आदेशों का अनुपालन सुनिश्चित कराते हुए सहायक अभियंता एस. एन. प्रसाद के नेतृत्व में अवर अभियंता कुलदीप कुमार त्यागी द्वारा प्राधिकरण व क्षेत्रीय पुलिस बल की सहायता से सील किया गया।

सामुदायिक शौचालयों के निर्माण में भारी गड़बड़झाला

एडीओ पंचायत ने निरीक्षण कर कहा दोषियों के विरुद्ध होगी कार्रवाई

अवध की आवाज

रामपुरा, जालौन। विकासखंड रामपुरा की ग्राम पंचायतों में सामुदायिक शौचालय निर्माण में जांच के दौरान भारी गड़बड़झाला उजागर हुआ है। सहायक विकास अधिकारी ने कहा कि समय रहते गड़बड़ी को ठीक नहीं कराया गया तो सख्त कार्रवाई होगी। विकासखंड रामपुरा की 44 ग्राम पंचायतों में कस्वा, नावर, बाबूपुरा ,धर्मपुरा में दो दो यूनिट के शौचालय निर्मित हुए हैं जिनकी लागत लगभग ढाई–ढाई लाख रुपया आई है जो लगभग पूर्ण रूप से तैयार हैं। ग्राम पंचायत नावर में तो सामुदायिक शौचालय के लिए वैतनिक केयरटेकर की नियुक्ति भी हो चुकी है , वही 40 ग्राम पंचायतों के शौचालयों का स्टीमेट 5 लाख 71हजार रुपया प्रति शौचालय है जिसमें सभी ग्राम पंचायतों में शौचालयों का धन निवर्तमान ग्राम प्रधानों एवं ग्राम पंचायत सचिवों ने आहरण कर लिया था लेकिन अधिकांश पंचायतों में सामुदायिक शौचालय का निर्माण आधा अधूरा पड़ा है । आज सहायक विकास अधिकारी (पंचा) रामपुरा भारत सिंह ने सात ग्राम पंचायतों का दौरा कर सामुदायिक शौचालयों के निर्माण को परखा तो मात्र ग्राम पंचायत जगम्मनपुर का शौचालय संतोषजनक पाया गया शेष ग्राम पंचायत भिटौरा के ग्राम कंजौसा में शौचालय निर्माण तो पूर्ण है लेकिन उस पर रखी पानी की टंकी लापता है , बिजली पानी का कोई प्रबंध नहीं है । ग्राम पंचायत हुसेपुरा सुरई में भी सामु० शौचालय पर बिजली पानी का कोई बंदोबस्त नहीं किया गया ग्राम पंचायत चंदावली का आधा अधूरा निर्माणाधीन शौचालय ग्राम प्रधान के कृत्यों को उजागर कर रहा है। ग्राम पंचायत गुढा के ग्राम बेरा में निर्मित शौचालय में मल संग्रह के लिए गड्ढे ही नहीं बनाए गए सिर्फ कोठरी खड़ी करके उनमें टाइल्स चिपकाने का कार्य किया जा रहा है , अभी तक इसमें भी बिजली पानी का कोई प्रबंध नहीं किया गया। ग्राम पंचायत हिम्मतपुर में शौचालय का मजाक बना दिया गया उसमें दो दो सीटे लगवा कर आधा अधूरा काम छोड़ दिया गया। ग्राम पंचायत महटोली के ग्राम पुरा में निर्मित शौचालय में गड्ढा नहीं बनाई गई। एवं यहां पंचायत भवन को पशुशाला बना दिया गया है। एडीओ पंचायत भारत सिंह ने बताया कि विकास खंड रामपुरा के सभी शौचालयों का निरीक्षण किया जाएगा जिन ग्राम पंचायतों के आधे अधूरे निर्मित सामुदायिक शौचालय एक सप्ताह में पूर्ण रूप से निर्मित नहीं होते हैं तो संबंधित ग्राम पंचायत सचिव एवं जिम्मेदार ग्राम प्रधानों को नोटिस जारी कर उनके विरुद्ध आवश्यक कार्यवाही अमल में लाई जाएगी।

यूपी सरकार का गंगा को साफ करने का नया प्लान तैयार

लखनऊ (वेब वार्ता)। गंगा को स्वच्छ और प्रदूषण मुक्त रखने के एक अन्य प्रयास में उत्तर प्रदेश सरकार नमामि गंगे अभियान के तहत नदी में पशुपालन की प्रथा शुरू करेगी। मत्स्य पालन विभाग द्वारा विभिन्न प्रजातियों की लगभग 15 लाख मछलियों को नदी में छोड़ने की कार्ययोजना बनाई गई है। इससे नदी में जैव विविधता को बनाए रखने और संरक्षित करने में मदद मिलेगी और नमामि गंगे अभियान के तहत इसकी सफाई सुनिश्चित होगी। इन मछलियों को पूर्वी उत्तर प्रदेश से लेकर पश्चिमी उत्तर प्रदेश तक के करीब 12 जिलों में छोड़ा जाएगा। ये जिले गाजीपुर, वाराणसी, मिर्जापुर, प्रयागराज, कौशांबी, प्रतापगढ़, कानपुर, हरदोई, बहराइच, बुलंदशहर, अमरोहा और बिजनौर हैं।

सम्पादकीय

भारत बंद -विरोधाधिकार-चुनौती-जनसंकट और समाधान

संयुक्त किसान मोर्चा द्वारा तीन नए कृषि कानूनों के विरुद्ध दूसरी बार आहूत 'भारत बंद' का गत 27 सितंबर को राष्ट्रव्यापी प्रभाव देखने को मिला। सत्ता अर्थात भारतीय जनता पार्टी प्रवक्ता ने इसे 'अराजक तत्वों' द्वारा किया गया अराजकता पूर्ण विरोध प्रदर्शन तथा विपक्षी दलों द्वारा किसानों के कंधे पर बंदूक रखकर चलाना आदि बताया तो किसानों ने इसे अपने आंदोलन की राष्ट्रव्यापी स्वीकार्यता, सफलता व आंदोलन को पूरे देश से मिलने वाले व्यापक समर्थन के रूप में देखा। इससे पूर्व किसानों ने इसी वर्ष 26 मार्च को भी इसी विषय को लेकर भारत बंदका आह्वान किया था जिसका प्रभाव पंजाब, हरियाणा, दिल्ली, राजस्थान व पश्चिमी उत्तर प्रदेश के अधिकांश इलाकों में पड़ा था। उस समय सरकार के नुमाइंदों ने इसे 'असफल' भारत बंद बताया था। सत्ता पक्ष के लोग अक्सर यह कहते रहे हैं कि कृषि कानूनों के विरुद्ध कुछ मुट्ठी भर किसानों द्वारा यह विरोध प्रदर्शन किया जा रहा है। हालांकि भाजपा के संरक्षक संगठन राष्ट्रीय स्वयं सेवक संघ से संबंधित भारतीय मजदूर संघ सहित सत्ता से संबंधित अनेक नेता, मंत्री, सांसद, विधायक यहां तक कि राज्यपाल द्वारा भी किसानों के पक्ष में अपने विचार रखे जा रहे हैं।

किसानों द्वारा गत दस महीनों से लोकतंत्र में विरोध प्रदर्शन के अपने अधिकारों के नाम पर गत दिनों दूसरी बार 'भारत बंद ' का जो आह्वान किया गया था वह 26 मार्च के भारत बंद की तुलना में कहीं ज्यादा सफल व व्यापक रहा। जम्मू–कश्मीर, पंजाब, हरियाणा से लेकर राजस्थान, दिल्ली, उत्तराखंड, उत्तर प्रदेश, बिहार, बंगाल, ओड़ीसा, आंध्र प्रदेश, तेलंगाना, कर्नाटक, केरल, तमिलनाडु सहित देश के 25 से भी अधिक राज्यों में भारत बन्द का व्यापक प्रभाव देखा गया। देश के अधिकांश राष्ट्रीय राजमार्ग प्रातः 6 बजे से लेकर शाम चार बजे तक बन्द अथवा बाधित रहे। देश में कई स्थानों पर रेलवे सेवायें भी बाधित रहीं। निःसंदेह इस 27 सितंबर के भारत बंद को अभूतपूर्व सफलता मिलने का कारण यही था कि न केवल इस आंदोलन का अब राष्ट्रीय स्तर पर विस्तार हो चुका है बल्कि इसबार इसे लगभग सभी विपक्षी दलों, मजदूरों, कामगारों व छात्रों का भी पूर्ण समर्थन प्राप्त हुआ।

किसानों द्वारा अपने लोकतान्त्रिक विरोधाधिकार के नाम पर किये जाने वाले इस बंद की सफलता को लेकर यह कहा गया कि यह सत्ता की उस चुनौती का जवाब है जिसमें वह कहा करती है कि यह सीमित क्षेत्र के मुट्ठी भर सरमायेदार किसान आंदोलनरत हैं। राष्ट्रविरोधी, खालिस्तानी व मवाली किस्म के किसान जैसी उपाधियों से नवाजने वाली सत्ता को इस बंद के माध्यम से जवाब दिया गया है। धर्म जाति व क्षेत्र के नाम पर किसानों व आंदोलन को कमजोर करने की कोशिश करने वाली सरकार को इस बंद के माध्यम से यह बताने की कोशिश की गयी है कि यह आंदोलन देश के 'अन्नदाताओं' का राष्ट्रव्यापी आंदोलन है जो तीनों कृषि कानूनों के वापस लिये बिना समाप्त नहीं होने वाला। जिस आंदोलन में दुधमुंहे बच्चे से लेकर सौ वर्ष से अधिक उम्र वाले अनेक बुजुर्ग डटकर सत्ता को चुनौती दे रहे हों, बहुमत के नशे में चूर सत्ता द्वारा उस आंदोलन को कमजोर या हल्का समझना निश्चित रूप से उसकी बड़ी भूल है।

परन्तु इस प्रकार के भारत बंद से आम जनता को भी भारी परेशानी व जनसंकट का सामना करना पड़ता है। देश अब तक किसानों के इस भारत बंद के अलावा भी विभिन्न राजनैतिक दलों द्वारा जनसमस्याओं को लेकर या सत्ताविरोधी स्वर बुलंद करने के लिये सैकड़ों बार भारत बंद का सामना कर चुका है। और हर बार जनता को ट्रैफिक या जाम में फंसकर परेशानी का सामना करना पड़ा है। कई कई घंटों के जाम तो दिल्ली व आसपास के शहरों, महानगरों तथा देश के प्रमुख शहरों में बिना भारत बंद के ही आये दिन लगते रहते हैं। बारिश में भी जगह जगह लंबे समय तक जाम लगने की खबरें अक्सर सुनाई देती हैं। उस समय मीडिया आंशिक रूप से ऐसे जाम की खबरें तो जरूर देता है परन्तु उसके कारण व उनका जिम्मेदार कौन है इन बातों पर रौशनी नहीं डालता। जबकि किसानों द्वारा अपने व देश की जनता के हितों के मद्देनजर किये जा रहे ऐसे आंदोलनों में 'गोदी मीडिया' किसानों पर दोष मढ़ने की कोशिश करता है तथा इस किसान आंदोलन को 'शाहीन बाग ' आंदोलन के धरने से जोड़ने की कोशिश करता है।

भारत बंद की सफलता और इसे मूक दर्शक बने रहकर देखने की देश व राज्य सरकारों की मजबूरी यह साबित करती है कि पूर्ण बहुमत की यह सरकार उसके अनुसार 'मुट्ठी भर किसानों' के भारत बंद रुपी राष्ट्रव्यापी विरोध के आगे शक्तिहीन व असहाय रही। सरकार उस विपक्ष की रणनीतियों के आगे भी असफल दिखाई दी जिसपर वह किसानों को भड़काने व गुमराह करने का भी आरोप लगाती है साथ साथ उसी विपक्ष को मृत प्राय, कमजोर और कांग्रेस के लिये तो खासकर 'कांग्रेस मुक्त भारत ' जैसे शब्दों का भी प्रयोग करती रहती है। कांग्रेस के अतिरिक्त बहुजन समाज पार्टी, समाजवादी पार्टी, वामपंथी दल, राष्ट्रवादी कांग्रेस पार्टी(एन सी पी) आम आदमी पार्टी और राष्ट्रीय जनता दल समेत दक्षिण भारत के कई राजनैतिक दलों के कार्यकर्ता बंद के दौरान भारत बंद को सफल बनाने के लिये सड़कों पर उतरे नजर आए। भारत बंद की सफलता ने यह साबित कर दिया कि देश का किसान भी संगठित है और विपक्ष का भी किसानों को सर्वसम्मत व पूर्ण समर्थन हासिल है।

सरकार को इस भारत बंद से सबक लेने की जरुरत है। अपने किसान विरोधी व जनविरोधी फैसलों को संसद में बहुमत के आंकड़ों व रणनीतिपूर्ण चुनावी परिणामों से जोड़कर देखना सत्ता की भूल है। सरकार को महसूस करना चाहिये कि जहाँ सी ए ए व एन आर सी तथा तीन तलाक जैसे उसके कानून भारतीय समाज में उसकी सामाजिक विघटन की सोच को उजागर करते हैं उसी तरह तीन नए कृषि कानून व राष्ट्रीय हरित प्राधिकरण (NGT) द्वारा निर्मित अनेक नियम कानून पूर्णतयः कृषक विरोधी हैं और यह सरकार की पूंजीवाद सोच को भी प्रतिबिंबित करते हैं। सरकार को यह भी सोचना चाहिये कि क्या वजह है कि सत्ता में आने के बाद उसके द्वारा एक के बाद एक लिये जा रहे नोटबंदी व जी एस टी जैसे तानाशाही पूर्ण फैसले आखिर क्योंकर जनता को बेचैन कर रहे हैं। टीकाकरण अभियान का ढिंढोरा पीट व इसके कथित कीर्तिमान को लेकर अपनी पीठ थपथपा कर सरकार नदियों किनारे तैरती लाशों व ऑक्सीजन की कमी से तड़प कर मरने व चीखने चिल्लाने वाले दृश्य देशवासियों की नजरों से ओझल नहीं कर सकती। किसान संगठन बार बार कह रहे हैं कि जब तक किसान विरोधी तीनों कानून वापस नहीं लिए जाते और न्यूनतम समर्थन मूल्य (एम एस पी) की गारंटी देने वाला कानून नहीं बन जाता तब तक उनका आंदोलन व संघर्ष जारी रहेगा। ऐसे में अब सरकार को तय करना है कि वह किसानों से टकराने की अपनी झूठी–सच्ची रणनीति पर कायम रहना ही पसंद करती है या अपने अहंकार को समाप्त कर किसी सर्वमान्य निष्कर्ष पर पहुँच कर देश को धरने, प्रदर्शनों व जाम तथा बंद आदि से निजात दिलाने की दिशा में यथाशीघ्र कोई सार्थक कदम उठती है।

दिग्विजय का बयान और सरस्वती शिशु मंदिर राष्ट्रवाद की प्रयोगशाला

–निखिलेश महेश्वरी–

राष्ट्रवाद और अराष्ट्रवाद पर दिग्विजय सिंह निरंतर विवादास्पद बयान देते रहे हैं और वह हमेशा हिन्दुत्व के खिलाफ खड़े दिखाई देते हैं। वास्तव में दिग्विजय सिंह की स्थिति उस पुराने खण्डहर की तरह है, जो भ्रष्टाचार से बना और ध्वस्त हो गया और अब वह पुनः अपने वैभव को प्राप्त करना चाहता है। आज उसी प्रकार की स्थिति दिग्विजय सिंह की है।

वह अपने आप को चर्चा में बनाये रखने के लिए इस तरह के बयान देते रहते हैं ताकि उनकी प्रासंगिकता बनी रहे परन्तु ऐसा करते समय वह भूल जाते हैं कि इससे करोड़ों लोगों की भावना आहत होती है। इसमें वे राष्ट्रवाद के खिलाफ दिखाई देते हैं।

जब वह मुख्यमंत्री थे तब आतंकवाद चरम पर था और स्टूडेंट इस्लामिक मूवमेंट ऑफ इंडिया (सिमी) जैसा संगठन मध्य प्रदेश में विस्तार पा चुका था। जिस पर वह कोई नियंत्रण नहीं कर पाए। पूरे प्रदेश को एक भय के साए में ले जाने का कार्य उन्हीं के कार्यकाल में हुआ। उसमें महिदपुर, नागदा, रतलाम, मंदसौर, खण्डवा, भोपाल, देवास जैसे जिले बड़े स्तर पर इसके प्रमाण हैं।

साक्ष्यों को देखें तो सन् 2001 में महिदपुर में 1000 लोगों ने जुलूस निकालकर पाकिस्तान, लादेन जिन्दाबाद के नारे लगाए । इन में से तमाम लोगों के हाथों में पेट्रोल बम थे, जिस पर दिग्विजय सिंह ने संज्ञान लेना भी उचित नहीं समझा था। आज भी उसके वीडियो देखे जा सकते हैं।

झिरन्या जिला उज्जैन में सोहराबुद्दीन के घर 1995 में कुएं से 40 एके–47 रायफल बरामद हुई थीं। इन्हीं के मुख्यमंत्रित्वकाल में प्रदेश में नक्सलवाद चरम पर पहुंच गया था। खरगोन और बड़वानी जैसे शांतिप्रिय क्षेत्र को खूनी संघर्ष का सामना करना पड़ा और ईसाइयों के द्वारा अनुसूचित जाति एवं जनजाति का धर्मांतरण कार्य जोरों पर जाते हुए सभी ने देखा था। इतना ही नहीं तो पट्टों के नाम पर अनेक जगह जाति संघर्ष इन्हीं की देन रही है।

विकास के नाम पर देखा जाए तो मध्य प्रदेश की 'गड्ढों में सड़क' सबके लिए एक जुमला बन चुका था। बिजली के नाम पर केवल बल्बों में तार चमकते थे। मुख्यमंत्री पद से हटने के पश्चात् भी कई अवसरों पर उन्होंने ऐसे अनर्गल बयान देकर नया विवाद खड़ा किया है, जिससे वह खुद उस कटघरे में खड़े हो जाते हैं, जिसकी कल्पना कोई भी देश भक्त भारतीय स्वप्न में भी नहीं करेगा।

वस्तुतः इस आधार पर दिग्विजय सिंह से यह बार–बार अवश्य ही पूछा जाना चाहिए कि आतंकवादी ओसामा के नाम के साथ 'जी' लगाना, आतंकी जाकिर नाईक को 'शांतिदूत' बताना, बाटला हाउस एनकाउंटर को झूठा बताकर इंस्पेक्टर 'मोहन शर्मा' की शहादत को अपमानित करना, 'सर्जिकल स्ट्राइक' के सबूत मांगना जैसे बयान देकर भारत का सिर नीचा करने का ज्ञान आपने किस विद्यालय से लिया है, उन्हें यह आज जरूर बताना चाहिए।

खैर, वह बताएं या न बताएं यह उनका विषय है। उनसे केवल इतना कहना है कि सब लोग जानते हैं कि दिग्विजय सिंह अगर केवल खण्डहर का वैभव दिखाने की बात करेंगे तो उसका भ्रष्टाचार भी सबको दिखेगा। उनके द्वारा हाल ही में "सरस्वती शिशु मंदिर" पर दिया गया बयान आपकी ओछी और राष्ट्र विरोधी मानसिकता को प्रदर्शित करता है, जबकि सब लोग जानते हैं कि "सरस्वती शिशु मंदिर" के पढ़े हुए 'विद्यार्थियों' ने भारत का मस्तक हमेशा ऊँचा किया है, जिसके अनेक प्रमाण हैं।

शिक्षा क्षेत्र, राजनैतिक क्षेत्र, खेल क्षेत्र, व्यावसायिक क्षेत्र एवं सामाजिक क्षेत्र में "विद्या भारती" के पूर्व छात्रों ने उत्कृष्टता का प्रदर्शन कर 'राष्ट्रवाद' की अलख जगायी है। वर्तमान में मीडिया जगत का चेहरा चाहे स्व. रोहित सरदाना हों, खेल जगत में 2021 के टोक्यो पैरालम्पिक में ऊँची कूद में रजत पदक दिलाने वाला हिमाचल प्रदेश के निषाद कुमार हों या एयरफोर्स के कमांडेट रविकांत गौतम जो सरस्वती विद्यापीठ शिवपुरी का पूर्व छात्र रहे हैं, ने जोकि अफगानिस्तान में मिशन काबुल के माध्यम से भारतीयों को सुरक्षित भारत लाने का कार्य सफलता पूर्वक किया है। यहां ऐसे अनेक विद्यार्थियों के नाम गिनाए जा सकते हैं, जिनका अपने राष्ट्र को आगे ले जाने में अभूतपूर्व योगदान है।

सच यही है कि सरस्वती शिशु मंदिर के छात्रों ने अपनी ज्ञान क्षमता से सतत ऊँचाइयाँ प्राप्त की हैं। वर्तमान में मध्य प्रदेश की ही बहन उर्वशी सेंगर (ग्वालियर), बहन राधिका गुप्ता (अलीराजपुर), भैया अभिषेक खण्डेलवाल (सेमरी हरचंद, होशंगाबाद) जिन्होंने संघ लोक सेवा आयोग की विभिन्न परीक्षाओं (यूपीएससी) में स्थान प्राप्त कर यह बताया है कि उनकी प्रतिभा देश को समर्पित है।

वास्तव में इन छात्रों ने 'सरस्वती शिशु मंदिर' को गौरवान्वित किया है। दिग्विजय सिंह केवल राष्ट्र विरोधियों को खुश करने और स्वयं की राजनीति चमकाने के लिए इस प्रकार के निरर्थक कार्य करते रहे हैं। दिग्विजय सिंह से यही आग्रह है कि सरस्वती शिशु मंदिर एवं उनके द्वारा दी जाने वाली शिक्षा और संस्कार का वहाँ जाकर पहले अध्ययन करें और अपने इस बयान पर माफी मांगें। अन्यथा आप केवल मीडिया की सामग्री मात्र बनकर रह जाएंगे।

यहां यह भी मांग समयानुकूल है कि जिस प्रकार कई विषयों में न्यायालय संज्ञान लेता रहा है उसी प्रकार मध्य प्रदेश हाईकोर्ट इस विषय में संज्ञान लेकर दिग्विजय सिंह पर न्यायिक कार्यवाही करे, क्योंकि यह किसी एक विद्यालय का विषय नहीं है बल्कि उन लाखों पूर्व छात्रों से भी जुड़ा हुआ विषय है, जो सरस्वती शिशु मंदिर में पढ़कर अपनी सेवा देश को दे रहे हैं।

(लेखक शिक्षा क्षेत्र से जुड़े हैं और मध्य भारत प्रांत विद्याभारती से संगठन मंत्री हैं ।)

चीन पर नकेल कसेगा क्वाड

–डॉ. दिलीप अग्निहोत्री–

प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी की अमेरिका यात्रा अंतरराष्ट्रीय द्विपक्षीय और क्षेत्रीय दृष्टि से उपयोगी साबित हुई। उन्होंने संयुक्त राष्ट्र महासभा में वैश्विक समस्याओं का समाधान प्रस्तुत किया। यहां चीन और पाकिस्तान जैसे देश भी उपस्थित थे जो दुनिया को समस्याएं तो दे सकते है, लेकिन किसी समस्या का समाधान उनके पास नहीं है। चीन तो जिस देश की समस्या सुलझाने के नाम पर हस्तक्षेप करता है, उसी को अपने जाल में फंसा लेता है। ऐसा उसने अपने परम मित्र पाकिस्तान के साथ भी किया है। पाकिस्तान उसके ऋण जाल में ऐसा उलझा है कि उससे निकलने का कोई रास्ता ही नहीं बचा है। अफगानिस्तान में तालिबान को सहायता देकर चीन ने वहां के प्राकृतिक संसाधनों पर नियंत्रण जमाने का प्रयास किया है। श्रीलंका को सहायता दी तो कोलंबो में हस्तक्षेप करने लगा। श्रीलंका सरकार ने इसे समय रहते समझ लिया। उसने चीन के साथ चल रहे सहयोग से किनारा कर लिया। नेपाल को सहायता दी तो कम्युनिस्ट पार्टी के माध्यम से वहां भी नियंत्रण का काम किया।

विडंबना यह कि विस्तारवादी मानसिकता से ग्रसित चीन संयुक्त राष्ट्र संघ सुरक्षा परिषद का स्थायी सदस्य है। इसके भरोसे दुनिया में शांति स्थापित करने का सिद्धांत बनाया गया। व्यवहार में इसका उल्टा हो रहा है। इसके अलावा विकसित देशों ने अपनी उपभोगवादी सभ्यता को विकास का आधार बनाया। इसके लिए प्राकृतिक संसाधनों को बेहिसाब दोहन किया गया। विकास तो हुआ। लेकिन पर्यावरण संकट खतरे के बिंदु से ऊपर निकलने लगा। इस संकट से निकलने का पश्चिमी देशों के पास कोई समाधान नहीं है। लेकिन मानव के भविष्य को सुरक्षित रखने के लिए समाधान तो ढूंढना पड़ेगा। इसका एक मात्र समाधान भारतीय चिंतन में है। जिसमें कामना की गयी है–

सर्वे भवन्तु सुखिनः
सर्वे सन्तु निरामयः

हमारे ऋषियों ने यह नहीं कहा कि केवल भारत में रहने वाले सुखी रहें, या केवल हिन्दू सुखी रहें। बल्कि पश्थ्वी पर रहने वाले सभी लोग सुखी रहें। ऐसा चिंतन किसी अन्य सभ्यता में नहीं है। इसी प्रकार हमारे ऋषियों ने पश्थ्वी सूक्ति की रचना की। जिसमें प्रकृति को दिव्य मान कर प्रणाम किया गया। उसके संरक्षण व संवर्धन का सन्देश दिया गया। आज दुनिया में पर्यावरण का जो संकट है, उसका समाधान भारतीय ऋषियों के पश्थ्वी सूक्त के माध्यम से ही किया जा सकता है। दुनिया ने इन भारतीय विचारों पर पहले अमल किया होता तो आज पर्यावरण और आतंकवाद का संकट पैदा ही नहीं होता।

नरेंद्र मोदी ने अमेरिका में अपने अनेक कार्यक्रमों के मध्यम से दुनिया की वर्तमान समस्याओं को उठाया। साथ ही उनका समाधान भी बताया। इस विचार पर चलने से पहले चीन और पाकिस्तान जैसे देशों पर नकेल कसना जरूरी है। अमेरिका में आयोजित क्वाड समूह की बैठक का यही उद्देश्य था। अमेरिकी राष्ट्रपति जो बाइडेन ने इसके लिए नरेंद्र मोदी को व्हाइट हाउस आमंत्रित किया था। क्वाड देशों की यह पहली बैठक व्हाइट हाउस में हुई। इसमें नरेंद्र मोदी के अलावा अमेरिकी राष्ट्रपति जो बाइडन, जापान के प्रधानमंत्री योशिहिडे सुगा और ऑस्ट्रेलिया के प्रधानमंत्री स्कॉट मॉरिसन भी शामिल हुए। इस बैठक में चीन पर नकेल कसने के मंसूबा दिखाई दिया।

क्वाड समूह चीन की घेरने की रणनीति के तहत बनाया गया है। वहीं चीन की दूसरी तरफ से घेराबंदी के लिए ऑस्ट्रेलिया, यूनाइटेड किंगडम और अमेरिका ने बीते दिनों एक त्रिपक्षीय सुरक्षा समझौते का एलान किया था। इसे ऑकस नाम दिया गया है। क्वाड और ऑकस के उद्देश्य अलग हैं। क्वाड का गठन हिंद प्रशांत क्षेत्र की जरूरतें पूरी करने के लिए किया गया है। जबकि ऑकस तीन देशों के बीच सुरक्षा गठबंधन है। हिंद महासागर में सुनामी के बाद भारत, जापान, ऑस्ट्रेलिया और अमेरिका ने आपदा राहत प्रयासों में सहयोग करने के लिए एक अनौपचारिक गठबंधन बनाया था। चीन की हरकत बढ़ने पर चारों देशों ने क्वाड को पुनर्जीवित किया। इसके उद्देश्यों को व्यापक बनाया। इसके तहत एक ऐसे तंत्र का निर्माण किया जिसका उद्देश्य एक नियम आधारित अंतर्राष्ट्रीय व्यवस्था स्थापित करना है। चारों देश एशिया प्रशांत क्षेत्र में चीन को रोकने का काम करेंगे।

जापान और भारत ने क्वाड बनाने की पहल की थी। बाइडेन ने कहा कि इस संगठन में वही लोकतांत्रिक देश आमंत्रित किये गए है, जो पूरी दुनिया के लिए समावेशी सोच रखते हैं। जिनका भविष्य के लिए एक विजन है। सभी साथ मिलकर आने वाली चुनौतियों से निपटने की तैयारी करेंगे। नरेंद्र मोदी ने कहा कि जब पूरी दुनिया कोरोना से लड़ रही है तब फिर दुनिया की भलाई के लिए क्वाड सक्रिय हुआ है। उन्होंने क्वाड से संबंधित भविष्य की रणनीति को रेखांकित किया। भारत क्वाड वैक्सीन इनिशिएटिव इंडो पैसेफिक देशों की सहायता करेगा। सदस्य देशों के साझा लोकतांत्रिक मूल्य है। इस आधार पर क्वाड ने पॉजिटिव सोच, पॉजिटिव अप्रोच के साथ आगे बढ़ने का निर्णय लिया है। सप्लाई चेन, वैश्विक सुरक्षा क्लाइमेट एक्शन, कोविड रिस्पांस और टेक्नोलॉजी के क्षेत्र में सहयोग बढ़ाया जाएगा। अमेरिकी राष्ट्रपति बाइडन ने भारत के सहयोग को सराहनीय बताया। कहा कि वैश्विक आपूर्ति को बढ़ावा देने के लिए भारत में वैक्सीन की अतिरिक्त एक बिलियन डोज उत्पादन के प्रयास किये जा रहे है। जापान के प्रधानमंत्री योशीहिदे सुगा ने कहा कि क्वाड के ये सभी चार देश मौलिक अधिकारों में विश्वास करते हैं। यह मानते हैं कि इंडो पैसिफिक को स्वतंत्र और खुला होना चाहिए। ऑस्ट्रेलिया के प्रधानमंत्री स्कॉट मॉरिसन ने स्वतंत्र और खुले हिंद प्रशांत क्षेत्र का समर्थन किया। इससे एक मजबूत और समश्द्ध क्षेत्र का निर्माण होगा। इसके अलावा नरेंद्र मोदी ने ग्लोबल कोविड समिट में संदेश दिया। कहा कि कोरोनाकाल में भारत ने डेढ़ सौ से ज्यादा देशों की मदद की और 95 देशों तक भारत में बनी कोरोना वैक्सीन पहुंचाई। दूसरी लहर के दौरान भारत का सहयोग करने वाले देशों के प्रति उन्होंने आभार व्यक्त किया। कहा कि वैक्सीन सर्टिफिकेट को मान्यता देकर अंतरराष्ट्रीय यात्रा को आसान बनाया जाए। ऑस्ट्रेलियाई प्रधानमंत्री स्कॉट मॉरिसन और जापान के प्रधानमंत्री योशिहिदे सुगा के साथ नरेंद्र मोदी की द्विपक्षीय बैठक भी हुई। जिसमें द्विपक्षीय सहयोग बढ़ाने पर सहमति हुई। नरेंद्र मोदी ने संयुक्त राष्ट्र महासभा में शांति सौहार्द का सन्देश दिया। कहा कि आतंकवाद के संरक्षक मुल्कों को भी समझना होगा कि यह उनके लिए भी उतना ही बड़ा खतरा है। अफगानिस्तान पर सतर्क रहने की जरूरत है। यह देखना होगा कि कोई भी देश वहां की नाजुक स्थितियों का अपने स्वार्थ के लिए एक टूल की तरह इस्तेमाल ना करे।

जाहिर है कि भारत ने दुनिया को कल्याण का मार्ग दिखाया है। नरेंद्र मोदी का संयुक्त राष्ट्र संघ महासभा में संबोधन इसी विचार के अनुरूप था। संकुचित व असहिष्णु विचारों ने दुनिया में अनेक समस्याओं को जन्म दिया है। आतंकवाद का विस्तार इसका प्रमाण है। जबकि परस्पर सहयोग से अनेक समस्याओं का समाधान किया जा सकता है। कुछ समय पहले ही भारत संयुक्त राष्ट्र सुरक्षा परिषद का अध्यक्ष निर्वाचित हुआ है। यह बात अलग है कि सुरक्षा परिषद के पांच स्थायी देशों को वीटो पावर हासिल है। भारत इसका स्थायी सदस्य नहीं है। लेकिन विश्व को शांति सौहार्द व सहयोग का सन्देश भारत की तरफ से मिल रहा है।

अध्यक्ष के रूप में नरेंद्र मोदी ने संयुक्त राष्ट्र संघ सुरक्षा परिषद को संबोधित किया है। नरेंद्र मोदी के विचार मानव कल्याण के मार्गदर्शक के रूप में रहे। नरेंद्र मोदी ने आतंकवाद को मानवता के लिए खतरा बताया। आतंक के कारण दुनिया के अनेक क्षेत्रों में हिंसा का माहौल है। अफगानिस्तान में तो आतंकियों के वर्चस्व वाली सरकार है। विश्व शांति के लिए ही संयुक्त राष्ट्र संघ की स्थापना की गई थी। इसका उद्देश्य शांति सौहार्द व सहयोग कायम करना था। इसमें में सुरक्षा परिषद का गठन किया गया। जैसा नाम से स्पष्ट है कि सुरक्षा सुनिश्चित करने की विशेष जिम्मेदारी इसकी है। इसके लिए पांच महाशक्तियों को वीटो पावर दिया गया। अनेक मसलों पर इसने अपनी जिम्मेदारी का समुचित निर्वाह नहीं किया। अफगानिस्तान इसकी मिसाल है। अनेक देशों की सहायता से ही तालिबान मजबूत हुआ। तालिबान को वीटो पावर धारी चीन, रूस और पाकिस्तान की सहायता मिलती रही। जब तक नाटो की सेनाएं अफगानिस्तान में रही, तालिबान को सिर उठाने का मौका नहीं मिला। जैसे ही नाटो सैनिकों की वापसी शुरू हुई, अफगानिस्तान पर तालिबान के कब्जा हो गया। अफगानिस्तान की आधिकारिक सेना उसके सामने टिक नहीं सकी। बीस वर्षों की कवायद कुछ दिनों में नाकाम हो गई।

बिडंबना देखिए तालिबान की हुकूमत उनकी कमान में है जिन्हें संयुक्त राष्ट्र संघ द्वारा मोस्ट वांटेड इस्लामी आतंकी घोषित किया गया था। नरेंद्र मोदी ने कहा कि भारत को मदर आफ डेमोक्रेसी का गौरव हासिल है। लोकतंत्र की हमारी हजारों वर्षों की महान परंपरा रही है। विविधता में एकता भारत की विरासत है। भारत वाइब्रेंट डेमोक्रेसी का बेहतरीन उदाहरण है। नरेंद्र मोदी ने कहा कि अफगानिस्तान की धरती का इस्तेमाल आतंकवाद फैलाने और आतंकी हमलों के लिए नहीं होना चाहिए। इसे सुनिश्चित करना होगा। (लेखक स्वतंत्र टिप्पणीकार हैं।)

भारत में महिला जजों की कमी

–डॉ. वेदप्रताप वैदिक–

भारत के मुख्य न्यायाधीश न.व. रमन ने पिछले हफ्ते भारत की न्याय व्यवस्था को भारतीय भाषाओं में चलाने की वकालत की थी, इस हफ्ते उन्होंने एक और कमाल की बात कह दी है। उन्होंने भारत की अदालतों में महिला जजों की कमी पर राष्ट्र का ध्यान खींचा है। उन्होंने कहा है कि भारत के सभी न्यायालयों के जजों में महिलाओं की 50 प्रतिशत नियुक्ति क्यों नहीं होती ? देश में कानून की पढ़ाई में महिलाओं को क्यों नहीं प्रोत्साहित किया जाता ? महिला वकीलों की संख्या पुरुष वकीलों के मुकाबले इतनी कम क्यों है ? उनकी राय है कि देश की न्याय व्यवस्था में महिलाओं की यह कमी इसलिए है कि हजारों वर्षों से उन्हें दबाया गया है। न्यायमूर्ति रमन ने मांग की है कि राज्य सरकारें और केंद्र सरकार इस गलती को सुधारने पर तुरंत ध्यान दें। यदि भारत के नेताओं और लोगों को यह बात ठीक से समझ में आ जाए तो हमारी अदालतों की शक्ल ही बदल जाएगी।

सबसे पहले हम यह समझें कि आंकड़े क्या कहते हैं। हमारे सर्वोच्च न्यायालय में इस समय 34 जज हैं। उनमें से सिर्फ चार महिलाएं हैं। अभी तक सिर्फ 11 महिलाएं इस अदालत में जज बन सकी हैं। छोटी अदालतों में महिला जजों की संख्या ज्यादा है लेकिन वह भी 30 प्रतिशत से ज्यादा नहीं है। इस समय देश की अदालतों में कुल मिलाकर 677 जज हैं। इनमें से महिला जज सिर्फ 81 हैं याने सिर्फ 12 प्रतिशत ! प्रदेशों के उच्च न्यायालयों में 1098 जज होने चाहिए लेकिन 465 पद खाली पड़े हैं। इन पदों पर महिलाओं को प्राथमिकता क्यों नहीं दी जाती ? प्राथमिकता देने का यह अर्थ कतई नहीं है कि अयोग्य को भी योग्य मान लिया जाए। महिलाओं को या किसी को भी जो 50 प्रतिशत आरक्षण मिले, उसमें योग्यता की शर्त अनिवार्य होनी चाहिए। देश के वकीलों में सुयोग्य महिलाओं की कमी नहीं होगी लेकिन दुर्भाग्य है कि देश के 17 लाख वकीलों में मुश्किल से 15 प्रतिशत महिलाएं हैं। राज्यों के वकील संघों में उनकी सदस्यता सिर्फ दो प्रतिशत है और भारत की बार कौंसिल में एक भी महिला नहीं है।

देश में कुल मिलाकर 60 हजार अदालतें हैं लेकिन लगभग 15 हजार में महिलाओं के लिए शौचालय नहीं हैं। हमारे इस पुरुष प्रधान देश की तुलना जरा हम करें, यूरोप के देश आइसलैंड से ! वहाँ कल हुए संसद के चुनाव में 63 सांसदों में 33 महिलाएँ चुनी गई हैं याने 52 प्रतिशत। वहां की प्रधानमंत्री भी महिला ही हैं– श्रीमती केटरीन जेकबस्डोटिर। उसके पड़ोसी देश स्वीडन की संसद में 47 प्रतिशत महिलाएँ हैं और अफ्रीका के रवांडा में 61 प्रतिशत हैं। दुनिया के कई छोटे–मोटे और पिछड़े हुए देशों में भी उनकी संसद में भारत के मुकाबले ज्यादा महिलाएँ हैं। भारत गर्व कर सकता है कि उसके राष्ट्रपति, प्रधानमंत्री और लोकसभा अध्यक्ष पद पर महिलाएं रह चुकी हैं लेकिन देश के मंत्रिमंडलों, संसद और अदालतों में महिलाओं को समुचित प्रतिनिधित्व मिले, यह आवाज अब जोरों से उठनी चाहिए। इस स्त्री–पुरुष समता का समारंभ हमारे राजनीतिक दल ही क्यों नहीं करते ? (लेखक वरिष्ठ पत्रकार और जाने–माने स्तंभकार हैं।)

जातीय जनगणना के मुद्दे पर एनडीए से दूर हो सकते हैं नीतीश, बन सकता नया गठबंधन!

–मुरली मनोहर श्रीवास्तव–

जातीय जनगणना पर देश का सियासी पारा दिनोंदिन चढ़ता ही जा रहा है। भाजपा नेता जहां इस जातीय जनगणना के विपक्ष में हैं उन्हीं के साथ सूबे की सहयोगी पार्टियां भले ही खुलकर नहीं बोल रही हैं मगर इसका ठीकरा केंद्र पर फोड़ने से बाज नहीं आ रही है। उनका भी तर्क अपना है कि आखिर जातीय जनगणना कराने में क्या परेशानी है?

सबसे पहले रुख करते हैं बिहार की, यहां एनडीए की सरकार है। जातीय जनगणना को लेकर मुख्यमंत्री नीतीश कुमार ने अपने बयान से स्पष्ट कह दिया है कि जातीय जनगणना को लेकर केंद्र सरकार को एकबार विचार करना चाहिए। साथ ही अगर केंद्र इस कर पाने में अपनी सहमति नहीं देती है तो बिहार अपने बूते कर्नाटक की तर्ज पर जाति आधारित जनगणना करा सकती है। मुख्यमंत्री नीतीश कुमार ने साफ–साफ कह दिया है कि पूरे देश में एक जाति की कई उपजातियां होती है। यदि हाउसहोल्ड सर्वे में आप किसी की जाति पूछेंगे तो पड़ोसी यह बता सकता है कि उसके बगल में रहने वाले पड़ोसी किस जाति से तालुकात रखते हैं। जदयू के वरिष्ठ नेता एवं राष्ट्रीय महासचिव केसी त्यागी ने कहा कि मुख्यमंत्री नीतीश कुमार ने सर्वदलीय बैठक बुलाई है। इस बैठक में जो भी निर्णय होगा हम लोग उसके साथ हैं। लेकिन यह तय है कि जातीय जनगणना होगी यह सभी के लिए है। सिर्फ पिछड़े, अति पिछड़े ही नहीं सभी के लिए जातीय जनगणना जरूरी है।

मगर दूसरी तस्वीर से स्पष्ट हो गया है कि केंद्र ने नीतीश की बातों को तवज्जो नहीं दी है। केंद्र सरकार के जातीय जनगणना से इनकार किए जाने के बाद जातीय जनगणना पर अड़े बिहार के मुख्यमंत्री नीतीश कुमार की तल्खी बढ़ गई है। इसी आधार पर नीतीश कुमार जातीय जनगणना को आधार बनाकर प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी से दूरी बना सकते हैं।

जातीय जनगणना को लेकर बिहार में विपक्ष और पक्ष सिर्फ भाजपा को छोड़कर एक साथ हैं और एक राग अलाप रहे हैं। जबकि इस जनगणना वाले मुद्दे पर नीतीश को अपना अगुवा मान रहे हैं। आपको याद दिला दूं कि जाति आधारित जनगणना को लेकर बिहार में जदयू, राजद, कांग्रेस, हिंदुस्तानी आवाम मोर्चा व विकासशील इंसान पार्टी का स्वर होने से बिहार का राजनीतिक नजारा बदल सकता है। देश स्तर पर जाति आधारित जनगणना के बहाने एक नया गठजोड़ बनने के संकेत मिल रहे हैं। नीतीश कुमार की देश में अपनी एक अलग छवि है उनकी छवि विकास करने को लेकर मानी जाती है। उनके नेतश्त्व में जातीय जनगणना की बिहार से उठी यह मांग देशव्यापी होने की बात से इंकार नहीं किया जा सकता है।

2015 के अप्रैल–मई में कर्नाटक में 1.3 करोड़ घरों में सर्वे हुआ था। इस सर्वे का नाम सोशल एंड एजुकेशनल सर्वे दिया गया था। इसमें 1.6 लाख कर्मियों को लगाया गया था। जिस पर सरकार ने 169 करोड़ रुपये खर्च किए थे। उसके बाद भी अभी रिपोर्ट नहीं आ सकी है। बिहार के साथ–साथ देश के दूसरे क्षेत्रीय दल भी जातीय जनगणना कराने की पुरजोर मांग कर रहे हैं। अब ऐसे में देश में परिवर्तन की जो अंडर करेंट है उसको हवा मिल सकती है और नीतीश कुमार इसके नेता चुने जा सकते हैं। बात अगर नीतीश कुमार की करें तो हर बात वो स्पष्ट तरीके से रखते हुए कहते हैं कि जातीय जनगणना को लेकर हम आपस में बात करेंगे और आगे क्या करना है यह बातचीत कर ही तय करेंगे। नीतीश कुमार के इस बयान से स्पष्ट हो गया है कि आने वाले दिनों में बिहार में बड़ा राजनीतिक बदलाव देखने को मिल सकता है। जातीय जनगणना को लेकर नीतीश कुमार ने अपनी बात प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी से मिलने से पहले ही साफ कर दिया था कि जरूरत पड़ने पर वह खुद जातीय जनगणना करा सकते हैं। विपक्ष के नेता तेजस्वी यादव ने जातीय जनगणना कराने को लेकर विभिन्न पार्टियों के 33 प्रमुख नेताओं को पत्र लिखकर गोलबंद करने की कवायद शुरू कर दी है। अब ऐसे में बिहार में परिवर्तन के संकेत मिलने लगे हैं। साथ ही बिहार से अगर विरोध के स्वर निकलते हैं तो देश की राजनीति पर इसका विशेष असर पड़ सकता है।

पुलिस ने वाहन चेकिंग कर किया 27500 का ई चालान

अवध की आवाज

कहोबा चौराहा गोंडा। पुलिस ने चलाया सघन चेकिंग अभियान काटे ई चालान। बताते चलें देहात कोतवाली गोंडा अंतर्गत आने वाले पुलिस चौकी सालपुर के चौकी प्रभारी विनय कुमार पांडे अपने हमराहीयों के साथ सोनबरसा स्थित गोंडा–उतरौला मार्ग पर सघन वाहन चेकिंग अभियान चलाकर 17 वाहनों से 27500 का ई चालान किया। पुलिस चौकी सालपुर चौकी प्रभारी विनय कुमार पांडे ने बताया कि सघन वाहन चेकिंग के दौरान वाहन चालकों से गाड़ी के जरूरी कागजात व हेलमेट न दिखा पाने पाने के कारण 17 वाहनों से 27500 का ई चालान किया गया है। और वाहन चालकों को हिदायत दिया गया कि वाहन चलाते समय कान में लीड लगाकर वाहन न चलाएं जिससे पीछे से आने वाले वाहनों का आवाज सुनाई नहीं देता है और दुर्घटना होने की संभावना बनी रहती है और हेलमेट का प्रयोग करें जिससे सुरक्षित रहें।

थाना मोतीगंज जनपद गोंडा शांति भंग करने के मद्देनजर पुलिस द्वारा की गई बड़ी कार्यवाही

अवध की आवाज ब्यूरो चीफ, गोंडा। गोंडा इस प्रकार से बताते चलें कि शांति भंग करने के मद्देनजर थाना मोतीगंज पुलिस ने बड़ी कार्यवाही करके आज दिनांक 29/9/2021 को उप निरीक्षक सुनील कुमार द्वारा निरोधात्मक कार्यवाही के अंतर्गत अभियुक्त गण द्वारा शांति व्यवस्था भंग करने के मद्देनजर के अंतर्गत धारा 151ध 107ध

116 सीआरपीसी की कार्यवाही कर विजय बहादुर पुत्र जयराम, अनीश पुत्र विजय कुमार , निवासी ग्राम दलपतपुर थाना मोतीगंज जनपद गोंडा को कार्यवाही कर अभियुक्त गण का चालान माननीय न्यायालय रवाना किया । उक्त अभियुक्तों को गिरफ्तार करने में उप निरीक्षक सुनील कुमार ,कांस्टेबल मनीष कुमार , थाना मोतीगंज जनपद गोंडा ने गिरफ्तार कर अभियुक्त गण का चालान माननीय न्यायालय भेजा।

उन्नाव। भारतीय जनता पार्टी मंडल बदरका की आगामी कार्य योजना बैठक मां आनंदी देवी मंदिर बदरका में मण्डल अध्यक्ष श्री विद्या भास्कर जी की अध्यक्षता में संपन्न हुई। जिसमे मुख्य अतिथि के रूप में आदरणीय श्री मान सिंह जी ने सभी कार्यकर्ताओं को संबोधित किया एवम् आगामी विधानसभा चुनाव को कैसा जीता जाए इस पर विस्तृत चर्चा हुई और श्रीमान सिंह जी ने सभी कार्यकर्ताओं में जोश भरने का काम किया । इस मौके पर जिला महामंत्री श्री आशीष बाजपाई जी, जिला उपाध्यक्ष श्री आनन्द अवस्थी जी, वरिष्ट नेता भाजपा श्री अरुण कुमार दीक्षित जी, मण्डल प्रभारी श्री वेणु रंजन भदौरिया जी, मण्डल अध्यक्ष श्री विद्या भास्कर जी, मण्डल संयोजक श्री धीरज विश्वकर्मा जी, श्री अरविंद अवस्थी जी, विकाश दीक्षित जी, मंडल सह संयोजक मण्डल आईटी श्री इंद्रजीत रावत जी, ब्यूरो चीफ गुड्डू मिश्रा जी एवम सभी मंडल , सेक्टर एवम् बूथ स्तरीय कार्यकर्ता मौजूद रहे।

उन्नाव। आजाद मार्ग चौरहा मोटरसाइकिल नंबर यूपी 78ई डब्ल्यू 1966 सवार हेमंत सिंह तोमर पुत्र करण पाल सिंह निवासी ग्राम नसीरा थाना नरवल कानपुर नगर उम्र करीब 35 वर्ष का डंपर की टक्कर लगने से एक्सीडेंट हो गया घायल को जिला अस्पताल चौकी इंचार्ज बदरका अखिलेश यादवने भिजवाया । वाहनों को हटवाया जा रहा है

अवध की आवाज आम जन की आवाज ब्यूरो चीफ

सीआईएसफ इकाई वीएसटीपीपी विंध्यनगर में 14 सितंम्बर से 28 सितंम्बर तक मनाया गया हिंन्दी पखवाडा

अवध की आवाज

जिला सिंगरौली ।सिंगरौली विंध्यनगर प्रत्येक वर्ष की भांति इस वर्ष भी सीआईएसफ इकाई वीएसटीपीपी एनटीपीसी विंध्य नगर में दिनांक 14 सितम्बर 2021से 28 सितम्बर 2021 तक हिंदी पखवाड़े का आयोजन कोविड–19 नियम का पालन करते हुए एवं सामाजिक दूरी रखते हुए मनाया गया जिसका जिसका विषय था भारत को विकसित राष्ट्र बनाने में हिंन्दी सहायक है या नहीं इसके अतिरिक्त जवानों महिलाओं एवं बच्चों के लिए हिंन्दी के लिए नारा प्रतियोगिता का भी आयोजन किया गया साथ ही साथ जवानों के लिए हिंन्दी टंकण प्रतियोगिता एवं अन्य कई प्रतियोगिताओं का भी आयोजन किया गया आयोजित

शुभारंभ इ काई प्रभारी जयप्रकाश आजाद वरिष्ठ कमांडेंट द्वारा किया गया था हिंन्दी पखवाड़े के दौरान राज्य भाषा हिंन्दी को बढ़ावा देने एवं व्यापक प्रसार हेतु बल सदस्यों को हिंन्दी के प्रति जागरूक करने के उद्देश्य से इकाई स्तर पर 14 सितंबर 2021 से 28 सितंबर 2021 तक विभिन्न में प्रतियोगिता का आयोजन किया गया जैसे कविता पाठ व वाचन स्वरचित एवं अन्य रचनाकारों द्वारा रचित कविता निबन्ध प्रतियोगिता जवानों महिलाओं एवं बच्चों के लिए जिसका विषय था आजादी का अमृत्य उत्सव हिंन्दी का योगदान हिंन्दी पर वाद –विवाद प्रतियोगिता प्रतियोगिताओं में जवानों महिलाओं एवं बच्चों ने बढ़–चढ़कर हिस्सा लिया हिंन्दी पखवाड़ा का समापन समारोह दिनांक 28 सितंबर 2021 को इकाई प्रभारी जयप्रकाश आजाद वरिष्ठ कमांडेंट की है उपस्थिति में हुआ समापन समारोह के दौरान विभिन्न प्रतियोगिताओं के विजेता प्रतिभागियों को पुरस्कृत किया गया समापन समारोह मैं जवानों के द्वारा एक लघु नाटिका भी प्रस्तुत किया गया जिसे सभी के द्वारा काफी सराहा गया समारोह में बोलते हुए वरिष्ठ कमांडेंट जयप्रकाश आ जाने बताया कि जब तक हम हिंदी को अपने अंतर मन से स्वीकार नहीं करेंगे तब तक हिंदी को वह सम्मान नहीं मिल सत्ता है जिसकी वह हकदार है इसलिए हिंन्दी पखवाड़ा समाप्ति के उपरांत भी हमें इसी इच्छाशक्ति से हिंदी में कार्य करना है तथा दूसरे को जागरूक करते रहना है इस दौरान आयोजित प्रतियोगिताओं में विजेता प्रतिभागियों को पुरस्कार वितरण किया गया साथ में सहायक कमांडेंट एस.वी. रेडी एवं अजीत टोप्पो श्रीमती कविता आजाद अध्यक्षा संरक्षिका एवं श्रीमती सीता महालक्ष्मी महासचिव संरक्षिका भी उपस्थित थे इस अवसर पर इकाई के बल सदस्य महिलाएं एवं बच्चे भी मौजूद थे

पार्क कान्हा गौशाला और मोक्ष धाम का जिलाधिकारी ने किया निरीक्षण

अवध की आवाज

उरई (जालौन) जिलाधिकारी प्रियंका निरंजन ने कान्हा उपवन गौ आश्रय स्थल ग्राम सरसौखी व अमृत योजना के तहत अमित पार्क फेस 3 और मोक्षधाम पार्क का निरीक्षण किया। उन्होंने सर्वप्रथम कान्हा उपवन गौ आश्रय स्थल का निरीक्षण किया निरीक्षण के दौरान संबंधित को आवश्यक दिशा निर्देश दिए। कान्हा उपवन गौ आश्रय स्थल पर 170 पशु मौजूद मिले। उन्होंने कहा कि पशुओं के लिए पानी, छाया, भूसा की पर्याप्त मात्रा में उपलब्धता रहे। उन्होंने कहा कि इसमें किसी भी प्रकार की लापरवाही न बरती जाए। उन्होंने कहा कि कान्हा उपवन गौशाला में चारों तरफ पौधे लगाए जाएं। उन्होंने कहा कि गोबर खुले में न फेंका जाए इसके लिए गोबर से

कंपोस्ट खाद बनाया जाए उन्होंने कहा कि कंपोस्ट खाद के लिए कंपोस्ट पित बनाया जाए। उन्होंने संबंधित अधिकारी को निर्देश दिए कि कान्हा उपवन गौशाला को मॉडल रूप में विकसित किया जाए। उसके उपरांत जिलाधिकारी ने अमित पार्क व मोक्ष धाम पार्क का निरीक्षण किया। निरीक्षण के दौरान जूनियर इंजीनियर ना होने पर नाराजगी व्यक्त की। उन्होंने संबंधित अधिकारी को निर्देश दिए के पार्क में बच्चों के खेलने के लिए झूला लगाया जाना सुनिश्चित करें। उन्होंने कहा कि 2 साल से पाक बनाया जा रहा है जो अभी तक पूर्ण नहीं किया जा सका उन्होंने संबंधित ठेकेदार को ब्लैक लिस्ट करने के निर्देश दिए। उन्होंने मोक्ष धाम पार्क के निरीक्षण के दौरान पार्क में पानी भरा पाया जिस पर उन्होंने संबंधित पर फटकार लगाई। उन्होंने कहा कि जल्द से जल्द पार्क से पानी निकाला जाए और मिट्टी डालकर इसको समतल किया जाए। उन्होंने पार्क के ऊपर से विद्युत तार को देखते हुए स्टूमेंट बनाकर अलग शिफ्ट करने के निर्देश दिए। उन्होंने कहा कि अमृत योजना के तहत नगर में पांच पार्क विकसित किए जा रहे हैं सभी पार्क जल्द से जल्द पूर्ण कराए जाएं। इसमें किसी भी प्रकार की लापरवाही क्षम्य नहीं होगी। इस अवसर पर नगर मजिस्ट्रेट सुनील शुक्ला, चीफ ट्रेजरी ऑफिसर आशुतोष चतुर्वेदी, मुख्य पशु चिकित्सा अधिकारी डॉक्टर ओम प्रकाश, चेयरमैन अनिल बहुगुणा, नगर नियोजन अनुरुद्ध त्रिपाठी, अपर जिला सूचना अधिकारी पंकज कुमार सहित आदि अधिकारी मौजूद रहे।

गोंडा से राजधानी लखनऊ जाने वाले भारी वाहनों का आवागमन हुआ प्रतिबंधित

अवध की आवाज

ब्यूरो चीफ

गोंडा। विगत शनिवार को कटरा घाट स्थित सरयू नदी पर बने पुल के क्षतिग्रस्त हो जाने के बाद से गोंडा से लखनऊ जाने

वाले भारी वाहनों का आवागमन रोक दिया गया था । केवल बाइक एवं एंबुलेंस को आने–जाने की अनुमति मिली थी लेकिन वही सोमवार टेक्निकल टीम के निरीक्षण के बाद चार पहिया हल्के वाहनों का आना–जाना शुरू हो गया था लेकिन मंगलवार को फिर पुल के मरम्मत कार्य को लेकर लोक निर्माण विभाग व सेतु निगम की टीमों के निरीक्षण के बाद एक बार फिर पुनः वाहनों का आवागमन को प्रतिबंधित करने का निर्णय लिया गया। बताया जा रहा है कि सभी वाहनों को पूर्ण रूप से रोक करके मरम्मत कार्य शुरू कराया जाएगा इसके बाद पीडब्ल्यूडी के विनोद त्रिपाठी द्वारा बताया गया कि बुधवार से मरम्मत कार्य प्रारंभ किया जाएगा। आगे बताया कि इसके संबंध में तैयारी पूरी हो चुकी है।आगे उन्होंने बताया की बुधवार से पुल का निर्माण कार्य प्रारंभ हो जाएगा। पीडब्ल्यूडी के अधिकारियों के मुताबिक पुल की मरम्मत में 02 सप्ताह का समय लग सकता है तब तक सरयू पुल पर आवागमन बंद रहेगा पुल का मरम्मत कार्य पूरा होने पर ही यातायात सुचार रूप से पुनः हो सकेगा।

पुलिस ने शांति भंग की आशंका में छह लोगों पर की कार्रवाई

अवध की आवाज

कहोबा चौराहा गोंडा।–शांति भंग करने के मद्देनजर पुलिस द्वारा की गई कार्यवाही। बताते चलें ग्राम पंचायत खम्हरिया हरिवंश से शांति व्यवस्था बनाए रखने हेतु छह व्यक्तियों को चौकी सालपुर पुलिस ने किया गिरफ्तार। बताते चलें देहात कोतवाली के अंतर्गत पुलिस चौकी सालपुर चौकी प्रभारी उप निरीक्षक विनय कुमार पांडे ने बताया की अभियुक्त गण द्वारा शांति व्यवस्था भंग करने के अंदेशा में प्रथम पक्ष– सुनील कुमार पुत्र ननकू श्रीमती अर्चना पत्नी हरिश्चंद्र श्रीमती गुड्डा पत्नी विनोद दूसरा पक्ष–सोनू पुत्र मुनीजा श्रीमती उषा देवी पत्नी सोनू श्रीमती मोना पत्नी नगीना निवासी खम्हरिया हरिवंश को शांति भंग करने के अंदेशा में धारा 151/107/116 सीआरपीसी की कार्यवाही कर माननीय न्यायालय रवाना किया गया। गिरफ्तार कर्ता टीम उप निरीक्षक विनय कुमार पाण्डेय,दीवान संजीत कुमार सिंह, दीवान कृष्णकांत तिवारी, दीवान अखिलेश कुमार, पुलिस नागेंद्र यादव मौजूद रहे।

सिधौली–सीतापुर। सिधौली के किसानों की आवाज उठाने के लिए एवं उनके हक की समस्याओं के लिए तत्पर तैयार रहने के लिए आज भारतीय किसान यूनियन राजू गुप्ता संगठन के प्रदेश महामंत्री मयंक सिंह चौहान व जिला अध्यक्ष युवा प्रकोष्ठ आशीष सिंह पिंटू भैया को लवी वर्मा पत्रकार,जिलाध्यक्ष आइटी सेल द्वारा बुके देकर सम्मानित किया गया।

पेज 1 का शेष

मा0 मुख्यमंत्री जी ने प्रधानमंत्री आवास योजना शहरी के लाभार्थियों चन्द्र प्रकाश, पवन, सरस्वती, कविता, इसरार तथा प्रधानमंत्री आवास योजना ग्रामीण के लाभार्थियों मुन्ना लाल, माया देवी, रामदास, सुमन देवी, जमील को चाभी का वितरण किया। स्वच्छ भारत मिशन के अन्तर्गत ग्राम पंचायतों में नवनिर्मित सामुदायिक शौचालयों का संचालन महिला स्वयं सहायता समूहों को प्रदान किये जाने के क्रम में स्वयं सहायता समूहों की महिलाओं सरला कुमारी, नाजिया बानों, इन्द्र कुमारी दीक्षित, सुमन, वंदना को सामुदायिक शौचालयों की चाभी का वितरण मा0 मुख्यमंत्री जी द्वारा किया गया। उ0प्र0 मुख्यमंत्री बाल सेवा योजना के लाभार्थियों मुस्कान चौरसिया, हर्षिल चौरसिया, विशाल यादव, आकर्ष जायसवाल, सिमरन जायसवाल को स्वीकृति पत्र वितरित किया। राशि श्रीवास्तव, सृष्टि श्रीवास्तव, माही बंसल, ज्योति एवं अपूर्वा जायसवाल को कन्या सुमंगला योजना का स्वीकृत पत्र वितरित किया। प्रधानमंत्री मत्स्य सपंदा योजना के लाभार्थी अनुपमा सिंह को डेमों चेक का वितरण भी मा0 मुख्यमंत्री जी द्वारा किया गया। विश्वकर्मा श्रम सम्मान योजना के लाभार्थियों अमित कुमार एवं मनीष को टूल किट वितरित की गयी तथा मुख्यमंत्री युवा स्वरोजगार योजना के लाभार्थी शैलेन्द्र कुमार को चेक वितरण किया गया। पंचायत सामान्य निर्वाचन–2021 की ड्यूटी में कोविड–19 से संक्रमित होने पर मृत्यु के कारण रू0 30 लाख की अनुग्रह धनराशि का वितरण सरोज सिंह तोमर, अंजनी देवी, शांति देवी, सुरभी देशमुख को किया गया। आयुष्मान भारत योजना के अन्तर्गत गोल्डेन कार्ड का वितरण रामदास, कमला, रंजीत, तेजपाल एवं विन्देश्वरी को किया गया। कृषि विभाग की योजना प्रमोशन ऑफ एग्रीकल्चर मैकेनाइजेशन फॉर इन–सीटू मैनेजमेंट ऑफ क्रॉप रेजीड्यू के अन्तर्गत फार्म मशीनरी बैंक के लाभार्थियों धीरेन्द्र कुमार, किशोरीलाल, सोनू एवं राधेश्याम को चेक वितरित की गयी। मा0 मुख्यमंत्री जी जनसभा को सम्बोधित करते हुये परियोजनाओं का लोकार्पण एवं शिलान्यास के अवसर पर सभी को बधाई एवं शुभकामनाएं दीं। उन्होंने नैमिषारण्य की पावन भूमि को नमन करते हुये कहा कि जनपद सीतापुर में नैमिषारण्य हजारों वर्षों की विरासत को संजोये हुये है, जब दुनिया अंधकार में जी रही थी तब यहां 88 हजार ऋषियों ने तप कर ज्ञान का प्रकाश को सभी ओर प्रसारित किया। उन्होंने कहा कि जनपद सीतापुर में योजनाओं से अत्यधिक लोग लाभान्वित हुये हैं। लगभग सवा दो लाख परिवारों को आवास उपलब्ध कराया गया है तथा 05 लाख से अधिक परिवारों को उज्जवला योजना के अन्तर्गत निःशुल्क गैस कनेक्शन दिया गया है, जो कि देश में सर्वाधिक है। उन्होंने कहा कि प्रत्येक नागरिक को सुरक्षा पहुंचाना तथा सभी का विकास करने के उद्देश्य से अनेक योजनाएं संचालित की जा रही हैं जिनका लाभ बिना किसी भेदभाव के पात्रों तक पहुंच रहा है। कोरोना महामारी पर प्रभावी नियंत्रण के लिये भी व्यापक प्रबंध किये गये तथा पर्व त्यौहारों को शांतिपूर्ण ढंग से मनाये जाने हेतु भी सुरक्षा के व्यापक प्रबंध किये गये। बीमारियों से निपटने के लिये व्यापक चिकित्सा सुविधाओं के प्रबंध किये गये हैं।उन्होंने कहा कि विकास कार्यो को धरातल पर देखा जा रहा है। मा0 योगी जी ने कहा कि पहले की सरकारों में अन्धेरे से उ0प्र0 की जनता परेशान थी लेकिन अब प्रदेश में भयमुक्त शासन और निर्बाध विद्युत की पर्याप्त आपूर्ति सुनिश्चित की जा रही है। बिना किसी भेदभाव के सभी क्षेत्रों में निर्बाध रूप से विद्युत की आपूर्ति सुनिश्चित की जा रही है। प्रदेश में बहन–बेटियों की सुरक्षा के पुख्ता इन्तजाम है और वह भयमुक्त होकर अपना जीवन यापन कर रही है। मा0 मुख्यमंत्री जी ने कहा कि पहले प्रदेश भ्रष्टाचार के लिये जाना जाता था। हमने दबंगईयों को चेतावनी दी है कि जो सार्वजनिक सम्पत्ति को क्षति करते है, गरीबों, कमजोरो को सताते है उनको ऐसी सजा दी गई है कि सात पीढ़ियां भी थक जायेगी लेकिन भुगतान नही कर पायेगीं। उन्होंने कहा कि कानून के साथ खिलवाड़ करने वालो के खिलाफ कड़ी कार्यवाही की गई है। भय मुक्त महौल में सभी त्यौहार मनाये जा रहे हैं तथा आस्था को सुरक्षा एवं सम्मान देने का कार्य भी प्रदेश सरकार द्वारा किया गया।

मा0 मुख्यमंत्री जी ने कहा कि जनधन, वृद्धा, निरश्रित, दिव्यांग पेंशन की राशि सीधा लाभार्थी के खातें मे भेजी जा रही है विचौलियो से मुक्ति मिली है, कोरोना काल में मुफ्त राशन मुहैया कराने का कार्य प्रदेश सरकार ने किया है। प्रदेश सरकार लोक कल्याणकारी के रूप मे कार्य रही है। उन्होंने कहा कि सभी मा0 विधायकगण एवं अन्य जनप्रतिनिधि शासन की योजनाओं को घर–घर पहुंचाने का कार्य कर रहें, जिससे जनपद सीतापुर में सुख व समृद्धि के मार्ग प्रशस्त हो रहे है। उन्होंने यह भी कहा कि केन्द्र व प्रदेश की सरकार किसानों के हित के लिये पूरी तरह से प्रतिबद्ध है। 86 लाख किसानों के 36 हजार करोड़ रू0 का कर्ज सरकार द्वारा माफ किया गया है। किसान सम्मान निधि योजना के तहत 6000 रू0 वार्षिक किसानों के खाते में डी0बी0टी0 के माध्यम से खाते मे भेजी जा रही है। महिलाओं, गरीबो, मजदूरों, शोषित को बिना भेदभाव के कल्याणकारी योजनाओं का लाभ दिया जा रहा है। उन्होनें कहा कि ग्राम पंचायतों मे ग्राम सचिवालय की स्थापना कर प्रत्येक ग्राम पंचायत पर कम्प्यूटर सहायक, बैंक सखी की भर्ती कर बैंकिंग सुविधाओं का लाभ अन्य योजनाओं के फीडिंग का कार्य ग्राम स्तर पर किया जायेगा। मुख्यमंत्री जी ने कहा कि जनपद सीतापुर विकास की ओर अग्रसर हो रहा है। मा0 मुख्यमंत्री जी ने कहा कि अयोध्या में भव्य श्री राम मन्दिर का निर्माण कराया जा रहा है। मा0 मुख्यमंत्री जी ने कहा कि प्रदेश एवं केन्द्र की सरकार के द्वारा सबका साथ, सबका विकास, सबका विश्वास पर कार्य किया जा रहा है। प्रत्येक पात्र व्यक्ति तक योजनाओं का लाभ दिया जा रहा है। यूपी में सुरक्षा का माहौल है और विगत साढ़े चार वर्ष के कार्यकाल के दौरान कोई भी दंगा नही हुआ।

मा0 मुख्यमंत्री जी द्वारा कहा गया कि उत्तर प्रदेश विकास के पथ पर चलकर देश की आर्थिक ताकत बनेगा। उन्होंने कहा कि साढ़े चार साल में 4.50 लाख लोगों को नौकरी दी गई है। मा0 मुख्यमंत्री जी द्वारा कहा गया कि आज जितनी परियोजनाओं का शिलान्यास एवं लोकार्पण किया जा रहा है, उसका गुणवत्तापूर्ण समय से कार्य पूर्ण कराने का कार्य किया जायेगा। इस अवसर पर मा0 मुख्यमंत्री जी द्वारा हर्ष व्यक्त किया गया कि गरीब कल्याण योजनाओं का लाभ वांछित लोगों को मिला हैं। मा0 मुख्यमंत्री जी ने कहा कि प्रदेश सरकार व केन्द्र सरकार गरीबों एवं असहाय लोगों के हितों के लिये दिन–रात बिना रूके, बिना थके, बिना डिगे, बिना झुके निरन्तर कार्य कर रही है।

कार्यक्रम के दौरान मा0 सदस्य विधान परिषद एवं भाजपा के प्रदेश अध्यक्ष श्री स्वतंत्र देव सिंह, मा0 राज्यमंत्री (स्वतंत्र प्रभार), बाल विकास सेवा एवं पुष्टाहार, महिला कल्याण विभाग उत्तर प्रदेश तथा जनपद की प्रभारी मंत्री श्रीमती स्वाती सिंह, जिला पंचायत अध्यक्ष श्रीमती श्रद्धा सागर, मा0 विधायक लहरपुर श्री सुनील वर्मा, मा0 विधायक सेवता श्री ज्ञान तिवारी, मा0 विधायक मिश्रिख श्री रामकृष्ण भार्गव, मा0 विधायक महोली श्री शशांक त्रिवेदी, उ0प्र0 अनुसूचित जाति वित्त एवं विकास निगम लिमिटेड के अध्यक्ष डा0 लाल जी प्रसाद निर्मल, मा0 विधायक मलिहाबाद श्रीमती जय देवी कौशल, भाजपा जिलाध्यक्ष श्री अचिन मेहरोत्रा सहित जनप्रतिनिधि, संबंधित अधिकारीगण एवं बड़ी संख्या में आमजनमानस मौजूद रहा।

नेहा कक्कड़ के गाने कांटा लगा ने हासिल किए 100 मिलियन व्यूज!

मुंबई, (वेब वार्ता)। नेहा कक्कड़, यो यो हनी सिंह, और टोनी कक्कड़ के गाने कांटा लगा ने 100 मिलियन व्यूज पार कर लिये हैं। नेहा कक्कड़, यो यो हनी सिंह, और टोनी कक्कड़ का गाना कांटा लगा उनके फैंस द्वारा काफी सराहा जा रहा है। इस यो हनी सिंह द्वारा परफॉर्म किया गया है और इसका वीडियो मिहिर गुलाटी द्वारा निर्देशित किया गया है। नेहा कक्कड़ ने कहा," मुझे श्रोताओं के समक्ष ऐस गाना प्रस्तुत कर के बेहद खुशी होती है जिसका वे आनंद ले सकें। टोनी और यो यो हनी सिंह के साथ काम करना

गाने ने 100 मिलियन व्यूज पार कर लिये हैं। टोनी कक्कड़ द्वारा रचित और लिखित यह गाना नेहा कक्कड़, टोनी कक्कड़ और यो बेहद आनंददायक था और मुझे खुशी है कि हमारी यह जुगलबंदी कांटा लगा के रूप में सामने आई है। श्रोताओं का इस तरह हमारे गाने को पसंद करना हमारे दिलों को छू जाता है। टोनी कक्कड़ ने कहा, "मैं श्रोताओं का शुक्रगुजार हूं कि उन्होंने हमारे द्वारा बनाए गए पार्टी सॉन्ग कांटा लगा को इतने प्यार से स्वीकार किया है। मैं चाहता हूं कि हमारे श्रोता इस गीत के साथ सुखद यादें बनाएं। देसी म्यूजिक फैक्ट्री के लिए बनाए गए मेरे प्रत्येक गाने ने बहुत प्यार बटोरा है यह मेरे लिए बहुत गर्व की बात है और मैं लोगों का शुक्रगुजार हूं। यो यो हनी सिंह ने कहा, मैं आभारी हूं कि श्रोताओं ने मेरे इस गाने को इतना प्यार दिया। इस गाने को मिली प्रतिक्रिया बहुत ही अद्भुत है, उन्होंने कॉमेंट सेक्शन में अपने विचार व्यक्त कर खूब प्यार बरसाया है। मेरे लिए सफलता का यह मतलब है कि श्रोताओं के समक्ष ऐसा गाना पेश करना जो उन्हें मंत्रमुग्ध कर दे और मुझे ऐसा प्रतीत होता है कि कांटा लगा एक ऐसा ही गाना है।

रोहनप्रीत सिंह का पहला सोलो सॉन्ग 'पीने लगे हो' हुआ रिलीज

मुंबई, (वेब वार्ता)। रोहनप्रीत सिंह और जैस्मिन भसीन का नया गाना 'पीने लगे हो' रिलीज हो गया है। मेलोडी क्वीन नेहा कक्कड़ अब अपने पति रोहनप्रीत सिंह के अवसर मिला है, जो बहुत ही चुनौतीपूर्ण और रोमांचकारी था। मैं इस बदलाव को अपने नजरिए से संजो कर रखूंगी और रोहनप्रीत के साथ एक अलग भूमिका में

सॉन्ग पीने लगे हो के लिए निर्देशक की भूमिका में नजर आई। नेहा कक्कड़ के निर्देशन में बने इस म्यूजिक वीडियो में रोहनप्रीत और बिगबोस 14 की जानीमानी कंटेस्टेंट जैस्मिन भसीन नजर आ रही हैं। देसी म्यूजिक फैक्ट्री के अंशुल गर्ग द्वारा प्रस्तुत इस गाने को रजत नागपाल द्वारा कंपोज और किरत गिल द्वारा लिखा गया है। गायिका से निर्देशक बनीं नेहा कक्कड़ का मानना है कि, "संगीत से आजीविका कमाने का सबसे बड़ा रोमांच यह है कि आप इससे बहुत कुछ सीखते हैं। 'पीने लगे हो' के जरिए मुझे कैमरे के पीछे से एक गीत का नेतश्त्व करने का काम करके मुझे बेहद खुशी हो रही है। मैं खुशनसीब हूं कि मुझे एक्सपेरिमेंट करने का मौका मिला।" रोहनप्रीत सिंह ने कहा, "मैं श्रोताओं का शुक्रगुजार हूं कि उन्होंने अब तक मेरे और नेहा द्वारा गाए गए गानों पर असीम प्रेम बरसाया है। 'पीने लगे हो' गाना मेरे लिए बेहद खास है क्योंकि शादी के बाद यह मेरा पहला सोलो सॉन्ग है साथ ही नेहा इस गाने से बतौर निर्देशक डेब्यू कर रही हैं। मैं यही दुआ करता हूं की हमारे द्वारा किए गए हर प्रथम कार्य को हमेशा की तरह असीम प्रेम मिले। मैं लोगों की प्रतिक्रिया जानने के लिए बेहद उत्साहित हूं।

फिल्म Adipurush में दिखेगा सैफ अली खान का जलवा, रावण के किरदार में अरविंद त्रिवेदी को दे पाएंगे टक्कर?

बॉलिवुड की नई फिल्मों के रिलीज होने की लंबी कतारें लगना शुरू हो गई है वहीं जब से मूवी के थिएटर पर रिलीज होने की खबर सामने आई है तभी से नए फिल्मों की लिस्ट की कतारें लग गई है। आपको बता दें कि, इस खबर के बाद से बॉक्स ऑफिस पर कई बड़ी फिल्मों का क्लैश देखने को मिल सकता है। इसी बीच अब पौराणिक कहानी पर बनी बाहुबली फेम प्रभाष की आदिपुरुष 11 अगस्त को रिलीज की जाएगी। बाहुबली में अपना बल दिखा चुके प्रभाष ने कई लोगों का दिल जीत लिया है और इसी बीच रामायण की कहानी आदिपुरुष का बड़ा प्रोजेक्ट मेलने से प्रभाष की फैंस की लिस्ट भी बढ़ जाएगी। बता दें कि इस फिल्म का निर्देशन ओम राउत करेंगे और इसे न केवल हिंदी बल्कि तेलुगु समेत कई दूसरी क्षेत्रीय भाषाओं में रिलीज किया जाएगा।

भगवान राम का किरदार निभाएंगें प्रभाष

आपको बता दें कि भगवान राम का किरदार प्रभाष करेंगें वहीं मां सीता के रोल में कृति सेनन होंगी। वहीं रावण के किरदार में सैफ अली खान नजर आएंगे। इस फिल्म का अभी से सोशल मीडिया पर काफी चर्चा हो रही है। फैंस रावण का किरदार निभाने वाले सैफ की काफी की तारीफ करते हुए नजर आ रहे है। कोई सैफ को खलनायक कह रहा है तो कोई कुछ। ओमकारा और होता है तो उनका नाम सबसे पहले फैंस के जुबान पर आता है। आदिपुरुष में लंकेश की भूमिका निभा रहे सैफ अली खान अपनी एक्टिंग का लोहा जमा सकते है।

तान्हाजी में नेगटिव रोल निभ चुके सैफ की अब रावण की किरदार के लिए काफी तारीफ हो रही है।

रावण का किरदार निभाने वाले टॉप एक्टर रहे है अरविंद त्रिवेदी

रामानंद सागर की टीवी सीरीज रामायण में रावण की भूमिका में अरविंद त्रिवेदी की अब तक लोग चर्चा करते है। उनका यह किरदार हमेशा से लोगों के बीच एक अलग से नजर आया है। जब भी लोगों के सामने रावण का जिक्र सैफ ने हमेशा से ही अपने नेगिटिव रोल से लोगों का अपनी और आकर्षित किया है। रावण का किरदार काफी टिपिकल है लेकिन जिस तरह से उन्होंने बाकी फिल्मों में अपने नेगिटिव रोल से सबका दिल जीता था वैसे ही रावण के किरदार में भी वह अपनी अच्वी छाप छोड़ सकते है। रावण के किरदार के लिए हमेशा से अरविंद त्रिवेदी को याद किया जाता है और अब देखना होगा कि सैफ इस कसौटी पर कितना खरा उतरते है।

०२ अक्टूबर को यश कुमार की फिल्म 'रूद्रा' का होगा वर्ल्ड टेलीविजन प्रीमियर

मुंबई, (वेब वार्ता)। भोजपुरी अभिनेता यश कुमार की फिल्म 'जय वीरू ' का वर्ल्ड टेलीविजन प्रीमियर 02 अक्टूबर को फिलमची भोजपुरी टीवी पर होगा। फिलमची भोजपुरी टीवी पर 02 अक्टूबर गांधी जयंती के दिन फिल्म 'रूद्रा' का वर्ल्ड टेलीविजन प्रीमियर हो रहा है। इस फिल्म का प्रीमियर शनिवार 02 अक्टूबर को दोपहर 12 बजे से होगा। फिलमची भोजपुरी के तरुण तलरेजा ने बताया, "भोजपुरी फिल्म रूद्रा यश कुमार की बेहतरीन फिल्म है। इस फिल्म को सिनेमाघरों में दर्शकों ने खूब पसंद किया है। अब बारी टेलीवीजन की है, जहां पूरे परिवार के साथ दर्शक इस फिल्म को देख सकेंगे। फिल्म में एक्शन और इमोशन के साथ एक सार्थक संदेश भी छुपा है। उन्होंने कहा कि 2 अक्टूबर 2021 गांधी जयंती के अवसर पर खुशहाल परिवार में खुशी के बीच सुपर स्टार यश कुमार, रिचा दीक्षित अउर निशा दुबे के सुपरहिट फिल्म देखीं 'रुद्रा' दोपहर 12 बजे फिलमची भोजपुरी टीवी पर देख सकेंगे।

बिजनेस टायकून के किरदार में नजर आयेंगी विद्या बालन

मुंबई, (वेब वार्ता)। बॉलीवुड अभिनेत्री विद्या बालन अपनी आने वाली फिल्म 'जलसा' में बिजनेस टायकून के किरदार में नजर आयेंगी। विद्या बालन ने अपनी आने वाली फिल्म 'जलसा' की के रोल में हैं। उनके साथ फिल्म में शेफाली शाह भी हैं। इस फिल्म में विद्या बालन के लुक के साथ प्रयोग किया गया है। फिल्म जलसा को सुरेश त्रविणी निर्देशित कर रहें हैं। इस फिल्म के मानव कौल

शूटिंग पूरी कर ली है। बताया जा रहा है कि इस फिल्म में विद्या बिजनेस टायकून के किरदार में नजर आएंगी। विद्या बालन फिल्म में एक मीडिया कंपनी की मालकिन की भी अहम भूमिका है। फिल्म में मानव मिडिल क्लास फैमिली से बिलॉन्ग करने वाले युवक बने हैं। उन्हें भी सिंपल और नॉर्मल गेटअप में रखा गया है।

अक्षय कुमार और इमरान हाशमी को लेकर फिल्म बनायेंगे करण जौहर!

मुंबई, (वेब वार्ता)। बॉलीवुड के जानेमाने फिल्मकार करण जौहर, खिलाड़ी कुमार अक्षय कुमार और इमरान हाशमी को लेकर कॉमेडी थ्रिलर फिल्म बनाने जा रहे हैं। करण जौहर, अक्षय कुमार और इमरान हाशमी के साथ अगली कॉमेडी थ्रिलर का निर्माण करने के लिए तैयार है। करण जौहर दोनों अभिनेताओं को राज मेहता के निर्देशन में बनने वाली अगली फिल्म के लिए साथ लाए हैं। माना जा रहा है कि यह फिल्म एंटरटेनमेंट से भरपूर होगी।

बताया जा रहा है कि यह फिल्म वर्ष 2019 में प्रदर्शित मलयालम फिल्म ड्राइविंग लाइसेंस का रीमेक है, जिसमें पश्थ्वीराज सुकुमारन और सूरज वेंजारामुडु ने मुख्य भूमिका निभाई थी। अक्षय कुमार पश्थ्वीराज के रोल को निभाएंगे जबकि इमरान हाशमी एक मोटर व्हीकल इंस्पेक्टर की भूमिका में दिखाई देंगे।

विधायी अधिनियम से भी अदालत की अवमानना की शक्ति को छीना नहीं जा सकता : उच्चतम न्यायालय

नई दिल्ली, (वेब वार्ता)। उच्चतम न्यायालय ने बुधवार को कहा कि अदालत की अवमानना की शक्ति को विधायी अधिनियम द्वारा भी छीना नहीं जा सकता और इसी के साथ उसने अदालत को ''नाराज करने तथा धमकाने'' के लिए 25 लाख रुपये जमा ना कराने पर एक गैर लाभकारी संगठन (एनजीओ) के अध्यक्ष को अवमानना का दोषी ठहराया। शीर्ष न्यायालय ने कहा, ''हमारा यह मानना है कि अवमानना करने वाला शख्स स्पष्ट तौर पर अदालत की आवमानना का दोषी है और अदालत को नाराज करने के उसके कदम को स्वीकार नहीं किया जा सकता। न्यायमूर्ति संजय किशन कौल और न्यायमूर्ति एम एम सुंदरेश की पीठ ने कहा कि एनजीओ सुराज इंडिया ट्रस्ट के अध्यक्ष राजीव दहिया अदालत, प्रशासनिक कर्मियों और राज्य सरकार समेत सभी पर ''कीचड़ उछालते'' रहे हैं। पीठ ने कहा, ''अवमानना के लिए दंड देने की शक्ति एक संवैधानिक अधिकार है जिसे विधायी अधिनियम से भी छीना नहीं जा सकता।'' उसने दहिया को नोटिस जारी किया और उसे सात अक्टूबर को सजा सुनाने पर अदालत में मौजूद रहने का निर्देश दिया। धन का भुगतान करने के संबंध में पीठ ने कहा कि यह भू–राजस्व के बकाया के रूप में लिया जा सकता है। उच्चतम न्यायालय ने दहिया को अदालत की अवमानना का नोटिस जारी करते हुए पूछा था कि अदालत को नाराज करने की कोशिश के लिए उनके खिलाफ कार्रवाई क्यों न की जाए। दहिया ने न्यायालय को बताया था कि उनके पास जुर्माना भरने के लिए संसाधन नहीं है और वह दया याचिका लेकर राष्ट्रपति के पास जाएंगे। उच्चतम न्यायालय दहिया की उस याचिका पर सुनवाई कर रहा है जिसमें उन्होंने न्यायालय के 2017 के आदेश को रद्द करने का अनुरोध किया है। न्यायालय ने 2017 में दिए आदेश में उन्हें बिना किसी सफलता के इतने वर्षों में 64 जनहित याचिकाएं दायर करने और शीर्ष न्यायालय के न्यायाधिकार क्षेत्र का ''बार–बार दुरुपयोग'' करने के लिए 25 लाख रुपये का जुर्माना लगाया था।

मुजफ्फरनगर में तेज रफ्तार कार ने मोटरसाइकिल को टक्कर मारी, १२ वर्षीय लड़के की मौत

मुजफ्फरनगर, (वेब वार्ता)। मुजफ्फरनगर में तेज गति से आ रही कार ने एक मोटरसाइकिल को टक्कर मार दी जिससे मोटरसाइकिल पर सवार 12 वर्षीय लड़के की मौत हो गयी और उसका एक रिश्तेदार गंभीर रूप से घायल हो गया। पुलिस ने बुधवार को बताया कि यह हादसा मंगलवार की शाम को तावली गांव के समीप शाहपुर–मुजफ्फरनगर रोड पर हुआ। उन्होंने बताया कि अहमद की घटनास्थल पर ही मौत हो गयी जबकि जबीर को एक अस्पताल में भर्ती कराया गया है। हादसे के समय दोनों तावली गांव से मुजफ्फरनगर जा रहे थे। कार का चालक घटनास्थल से फरार हो गया। इस बीच, गुस्साए गांववालों ने दोषी को गिरफ्तार करने की मांग करते हुए शाहपुर–मुजफ्फरनगर सड़क अवरुद्ध कर दी। मुजफ्फरनगर के उपमंडलीय मजिस्ट्रेट दीपक कुमार ने प्रदर्शनकारियों को शांत कराया जिसके बाद सड़क फिर से खोली गयी।

युवक–युवती का मुंह काला कर गांव में घुमाया, 13 लोगों पर मामला दर्ज

गोरखपुर (वेब वार्ता)। गोरखपुर से सटे बस्ती जिले में एक युवक और युवती का मुंह काला करके, जूते चप्पल की माला पहनाकर पूरे गांव में घुमाए जाने का मामला सामने आया है। पुलिस सूत्रों ने बुधवार को बताया कि यह घटना बस्ती जिले के गौर थाना क्षेत्र स्थित एक गांव में मंगलवार को हुई। अपर पुलिस अधीक्षक दीपेंद्र चौधरी ने बताया कि गौर क्षेत्र के एक गांव में ग्रामीणों ने एक युवक और युवती के बीच प्रेम होने का आरोप लगाया और उनका मुंह काला कर, जूते चप्पल की माला पहना कर उन्हें पूरे गांव में घुमाया। उन्होंने बताया कि पुलिस ने इस मामले में पीड़ित लड़के की मां की तहरीर पर 13 लोगों के खिलाफ मामला दर्ज किया है। आरोपियों की तलाश की जा रही है।

शामली जिले में गोशाला में आठ गायों की मौत, लोगों ने किया प्रदर्शन

मुजफ्फरनगर (वेब वार्ता)। उत्तर प्रदेश के शामली जिले के स्थानीय निवासियों ने जिले की एक गोशाला में आठ गायों के मृत पाए जाने के बाद विरोध प्रदर्शन किया। पुलिस ने बुधवार को यह जानकारी दी। अधिकारियों ने बताया कि घटना मंगलवार को आदर्श मंडी थाना क्षेत्र के नगला जमालपुर गांव में हुई। मामले में जांच के आदेश दे दिए गए हैं। स्थानीय लोगों ने आरोप लगाया है कि गायों की मौत भूख से हुई। अधिकारियों ने दोषियों के खिलाफ कड़ी कार्रवाई का आश्वासन दिया है।

उप्र में मुठभेड़ के बाद तीन लुटेरे गिरफ्तार

मुजफ्फरनगर, (वेब वार्ता)। उत्तर प्रदेश के मुजफ्फरनगर जिले में पुलिस के साथ मुठभेड़ के बाद तीन लुटेरों को गिरफ्तार किया गया है। इन पर एक बुजुर्ग से एक लाख रुपये लूटने का आरोप है। पुलिस ने बुधवार को बताया कि मंगल, सोनू और अनुज को मंगलवार की शाम को गिरफ्तार किया गया। मुठभेड़ में मंगल और सोनू को गोली लग गई और उन्हें अस्पताल में भर्ती कराया गया है। इन्होंने जिले के बामनहेरी इलाके में 14 सितंबर को एक व्यक्ति को कथित तौर पर लूटा था। उन्होंने बताया कि आरोपियों के पास से 20 हजार रुपये नगद, दो देसी पिस्तौल और एक बाइक बरामद हुई है।

सिधौली अपनी ड्यूटी पर जा रहे सफाई कर्मी ट्रक और मोटरसाइकिल की आमने-सामने हुई टक्कर

अवध की आवाज ब्यूरो

सिधौली/सीतापुर। सिधौली अपनी ड्यूटी पर जा रहे महोली निवासी सफाई कर्मी संतोष कुमार, सुरेंद्र कुमार की मोटरसाइकिल और ट्रक की आमने–सामने हुई टक्कर जिसमें मोटरसाइकिल पर सवार सवार सफाई कर्मी गंभीर रूप से घायल।बुधवार को मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ का कार्यक्रम विधान सभा सिधौली के गांधी डिग्री कालेज के मैदान में लगा है। उसी में अपनी ड्यूटी करने जा रहे थे। संतोष कुमार व सुरेंद्र कुमार को ट्रक ने मारी टक्कर।

मुख्यमंत्री के दौरे को लेकर सीतापुर प्रशासन अलर्ट भाकियू नेताओं को घर पर किया नजरबंद

अवध की आवाज ब्यूरो

सिधौली/सीतापुर। मुख्यमंत्री के दौरे को लेकर प्रशासन अलर्ट भाकियू नेताओं को घर पर ही किया नजरबंद। बुधवार को सिधौली में मुखनमंत्री का आगमन हो रहा है। भाकियू अवध राजू गुप्ता संगठन के प्रदेश महामंत्री मयंक सिंह के नेतृत्व में आज भाकियू नेता किसानों का मांगपत्र चाहते थे मुख्यमंत्री को सौंपना।भाकियू नेताओं का जमावाड़ा हीरपुर में युवा प्रकोष्ठ के जिलाध्यक्ष आशीष सिंह पिंटू के यहां होने लगा जिसकी भनक लगते ही अटरिया पुलिस ने हीरपुर जाकर सबको वहीं रोक लिया। प्रमुख रूप से संगठन के प्रदेश संरक्षक सुरेश सिंह प्रदेश उपाध्यक्ष नीलकमल सिंह मंडल उपाध्यक्ष बिनीत सिंह महिला मोर्चा की अध्यक्ष गुड़िया यादव ब्लाक अध्यक्ष शियाराम यादव विधानसभा अध्यक्ष ओमप्रकाश गुप्ता डिप्टी कलेक्टर अशोक, सिंह अंकु सिंह आदि सैकड़ो पदाधिकारी नजरबन्द किए गए।

पैसेफिक रिम व्यापार समूह में शामिल होने से जुडे ताइवान के आवेदन को रोकगा चीन

बीजिंग, (वेब वार्ता)। बीजिंग ने बुधवार को कहा कि वह पैसेफिक रिम (प्रशांत महासागर से लगा भौगोलिक क्षेत्र) के देशों की एक व्यापार पहल में शामिल होने के लिए ताइवान द्वारा सौंपे गए आवेदन को रोक देगा। चीन ने इसकी वजह ताइवान द्वारा खुद को चीन का हिस्सा ना मानना बताया है। चीन के मंत्रिमंडल के ताइवान मामलों के कार्यालय ने बुधवार को कहा कि क्षेत्रीय व्यापार सहयोग में ताइवान की भागीदारी ष्एक चीन के सिद्धांतष पर आधारित होगी।

कार्यालय की प्रवक्ता झू फेंग्लियन ने संवाददाताओं से कहा,हम ताइवान क्षेत्र के आधिकारिक प्रकृति की किसी भी व्यापार व्यवस्था (समझौते) में हिस्सा लेने या आधिकारिक प्रकृति के किसी भी व्यापार समझौते पर हस्ताक्षर करने का विरोध करते हैं।चीन लोकतांत्रिक रूप से शासित ताइवान को अपना क्षेत्र बताता है और कहता रहा है कि जरूरत पड़ी तो वह बल के जरिए उस पर अपना नियंत्रण स्थापित कर लेगा। उसने ताइवान की सरकार को मान्यता नहीं दी है और उसे अलग–थलग करने की कोशिश करता रहा है। ताइवान ने 23 सितंबर को घोषणा की थी कि उसने ट्रांस–पैसिफिक पार्टनरशिप में शामिल होने के लिए आवेदन दिया है। इससे एक हफ्ते पहले चीन ने भी इसमें शामिल होने के लिए अपना आवेदन सौंपा था। ट्रांस–पैसिफिक पार्टनरशिप 2018 में प्रभावी हुआ था। इसके 11 सदस्यों में ऑस्ट्रेलिया, ब्रुनेई, कनाडा, चिली, जापान, मलेशिया, मेक्सिको, पेरू, सिंगापुर, वियतनाम और न्यूजीलैंड शामिल हैं।

कच्चा तेल 80 डॉलर के पार, डीजल पेट्रोल स्थिर

नई दिल्ली, (वेब वार्ता)। अंतर्राष्ट्रीय बाजार में कच्चे तेल के तीन वर्ष के उच्चतम स्तर 80 डॉलर प्रति बैरल के पार पहुंचने के बीच बुधवार को घरेलू स्तर पर डीजल और पेट्रोल की कीमतों में कोई बदलाव नहीं किया गया। मंगलवार को डीजल लगातार तीसरे दिन 25 पैसे प्रति लीटर और पेट्रोल 22 दिनों के बाद 20 पैसे प्रति लीटर महंगा हो गया था। डीजल की कीमत पिछले पांच दिनों में से चार दिन में 95 पैसे प्रति लीटर चढ़ गया है। यूरोप में ऊर्जा संकट के कारण कल कच्चे तेल में लगातार सातवें दिन तेजी दर्ज की गयी। इससे पहले अमेरिका के तेल भंडार में कमी आने की वजह से कच्चे तेल में तेजी आयी थी। कल अमेरिकी बाजार में कारोबार बंद होने पर ब्रेट क्रूड 80 डॉलर प्रति बैरल के पार 80.69 डॉलर प्रति पर पहुंच गया। इस दौरान अमेरिकी क्रूड भी 1.49 डॉलर की बढ़त के साथ 75 डॉलर के पार 75243 डॉलर प्रति बैरल पर पहुंच गया। विश्लेषकों का कहना है कि इस वर्ष के अंत तक कच्चा तेल 90 डॉल प्रति बैरल के पार जा सकता है। कोरोना वायरस के संक्रमण के वैश्विक स्तर पर लगभग काबू में आने के बाद तेल की मांग आने लगी है जिससे कच्चे तेल की कीमतों में बढोतरी हो रही है। तेल विपणन कंपनी इंडियन ऑयल कॉर्पोरेशन के अनुसार, दिल्ली में पेट्रोल 101.39 रुपये प्रति लीटर और डीजल 89.57 रुपये प्रति लीटर पर स्थिर रहा। डीजल की कीमत में शुक्रवार को 20 पैसे प्रति लीटर , रविवार को 25 पैसे, सोमवार को 25 पैसे और फिर मंगलवार को भी 25 पैसे प्रति लीटर की बढोतरी की गयी है। इस तरह से पांच दिन में से चार दिन में 95 पैसे की बढोतरी हो चुकी है।गत पांच सितंबर को पेट्रोल की कीमतों में 15 पैसे प्रति लीटर की कमी की गयी थी और उसके बाद यह 101.19 रुपये प्रति लीटर पर स्थिर था लेकिन कल इसमें भी 20 पैसे प्रति लीटर की बढोतरी की गयी है। पेट्रोल–डीजल के मूल्यों की रोजाना समीक्षा होती है और उसके आधार पर हर दिन सुबह छह बजे से नई कीमतें लागू की जाती हैं।

अवध की आवाज हिन्दी दैनिक, प्रकाशक ,मुद्रक व स्वामी,अनिल कुमार सिंह द्वारा स्काई लाइन प्रिन्टर्स,119/23 खन्दारी लेन, लालबाग, लखनऊ उ0प्र0 से मुद्रित तथा डी–97/3 व 7,सेक्टर–7, इन्दिरा नगर,लखनऊ,उ0प्र0 से प्रकाशित। सम्पादक अनिल कुमार सिंह फोन : 0522–4340954 मो0–7905407289, Email: avadhkiaawaz@gmail.com
R.N.I.- UPHIN/2012/45127
नोट : समाचार पत्र से सम्बंधित सारे विवादोंका न्याय क्षेत्र लखनऊ होगा।